रायपुर। गुरुवार, 05 नवम्बर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष एकादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 94/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल पहला वनडेः विराट कोहली का अर्धशतक...
@ विचार प्रदूषण पर राजनीति का धुआं और जनता की घुटती सांसें...
@ व्यापार शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन तेजी...

खबर झरोखा

अग्निवीरों की नौकरी अवधि 4 से 6 साल



नई दिल्ली। अग्निवीर अब चार की बजाय छह साल तक सेना में नौकरी कर सकेंगे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बुधवार को दो साल का सेवा विस्तार देने का ऐलान किया। इसका फायदा उन 75% अग्निवीरों को मिलेगा, जिन्हें पहले चार साल बाद सेवा छोड़नी पड़ती थी।

अभी हर बैच के 25% अग्निवीरों को चार साल बाद मेरिट के आधार पर नियमित सेना में शामिल किया जाता है। बाकी 75% को सेवा से बाहर होना पड़ता है। नए नियम में 25% अग्निवीरों को नियमित करने का पुराना नियम जारी रहेगा।

महादेव सट्टा केसः सौरभ चंद्राकर 8 दिन की सीबीआई रिमांड पर

संवाददाता ■ रायपुर

रायपुर की सीबीआई कोर्ट में महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को पेश किया गया। कोर्ट ने सीबीआई को 8 दिन की कस्टोडियल रिमांड मंजूर की है। सीबीआई की टीम अब उसे दिल्ली ले जाएगी, जहां उससे अपने ऑफिस में पूछताछ की जाएगी। उसे 12 नवंबर को फिर कोर्ट में पेश करना होगा।

कोर्ट में सीबीआई की ओर से बहस के दौरान प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी और वकील भी मौजूद रहे। श्वष्ठ ने भी सौरभ की रिमांड के लिए आवेदन लगाया है।

वहीं, सौरभ के वकील तुषार गिरी ने सीबीआई की रिमांड मांग का विरोध किया और इसे गलत बताया। सौरभ की पेशी को देखते हुए कोर्ट कैंपस में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। यहां



भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। बता दें कि करीब 6 हजार करोड़ रुपए के सट्टा घोटाले में आरोपी चंद्राकर को मंगलवार को सीबीआई की टीम दिल्ली से फ्लाइट E6 2307 से रायपुर लेकर पहुंची थी।

सीबीआई सौरभ को ओमान से प्रत्यर्पण के बाद भारत लेकर आई है। सोमवार को उसे दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने दो दिन की ट्रांजिट रिमांड पर उसे सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था।

सौरभ ने नागरिकता नहीं बदली, भारत का ही नागरिक'

सौरभ के वकील तुषार ने कहा कि उनका पक्ष है कि सौरभ के खिलाफ केवल ईडी के मामले में ही



भारत सरकार ने ओमान की सरकार को पत्र लिखा था, ओमान की सरकार ने क्लियर किया है कि सौरभ भारत का ही नागरिक है। मीडिया में हवा-हवाई बातें चल रही है।

तुषार गिरी
सौरभ के वकील

कार्रवाई हो सकती है। सीबीआई के मामले में उनके खिलाफ केस बनने का सवाल ही नहीं उठता, गिरफ्तारी तो दूर की बात है।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने ओमान सरकार को पत्र लिखकर सौरभ की नागरिकता के संबंध में जानकारी मांगी थी। ओमान सरकार ने स्पष्ट किया है कि सौरभ भारतीय नागरिक है। उन्होंने मीडिया में चल रही खबरों को निराधार बताते हुए कहा कि कई बातें बिना तथ्यों के प्रसारित की जा रही हैं।

मिडटर्म चुनाव में डेमोक्रेट्स की जीत, ट्रंप को झटका

एजेंसी ■ न्यूयॉर्क

अमेरिका के मतदाताओं ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका दिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोनों में शानदार प्रदर्शन करते हुए नियंत्रण हासिल कर लिया।

एनबीसी न्यूज के अनुमान के मुताबिक, 435 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट्स को 256 सीटें मिल सकती हैं, जो बहुमत से 81 सीटें ज्यादा हैं। वहीं, 100 सदस्यीय सीनेट में उनके पास कम से कम 54 सीटें हो सकती हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने 2024 के चुनाव अभियान के दौरान महंगाई कम करने और लोगों की जिंदगी को ज्यादा सस्ती और आसान बनाने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में लौटने के बाद उनका ध्यान दूसरी बड़ी योजनाओं पर चला गया। उन्होंने



'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के नाम पर टैरिफ बढ़ाने, ईरान में सत्ता परिवर्तन की कोशिशों और व्हाइट हाउस तथा वॉशिंगटन को नया रूप देने जैसे मुद्दों पर ज्यादा जोर दिया। आलोचकों का कहना है कि ये कदम उन वादों से अलग थे जो उन्होंने जनता से किए थे।

हार की खबरें आने के बीच ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, मैं बैलेट पर नहीं था और अगर होता तो हम भारी बहुमत से जीतते। रिपब्लिकन पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ और प्रभाव को इस चुनाव नतीजे ने कमजोर कर दिया है। खास बात यह रही कि पार्टी को उन राज्यों में भी नुकसान हुआ जो लंबे समय से रिपब्लिकनों के गढ़ माने जाते थे, जैसे टेक्सास, कंसास और साउथ कैरोलाइना।

महत्वपूर्ण खनिजों में आत्मनिर्भर बनेगा भारतः पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कैबिनेट की ओर से 'महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत व्यय सहायता योजना' को मंजूरी देने पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि इससे भारत की अन्य देशों पर निर्भरता कम होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि लिथियम, निकेल, कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिज ईवी, बैटरी,



इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा क्षेत्र के लिए बहुत जरूरी हैं। फिर भी, हम रिफाइन की गई सामग्रियों के आयात पर काफी हद तक निर्भर हैं। मौजूदा स्थिति को समाप्त करने के लिए कैबिनेट ने इस स्कीम को मंजूरी दी है। पोस्ट में आगे कहा कि इस योजना की खासियत नए महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण संयंत्र, निवेश को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत सहायता, घरेलू स्तर पर अधिक मूल्य संवर्धन और मजबूत सप्लाई चेन है। अंत में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा सिद्धांत स्पष्ट है... भारत के पास भविष्य की तकनीकें विकसित करने की क्षमता होनी चाहिए!

फर्जी हस्ताक्षर से खाद घोटाला, किसान के खाते से 11 हजार पार

बकावंड ■ अर्जुन कुमार झा

बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड अंतर्गत ग्राम कचनार स्थित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति (लैंपस) में किसानों के साथ धोखाधड़ी का मामला उजागर हुआ है। किसानों के केसीसी खातों से अनधिकृत निकासी, फर्जी हस्ताक्षर से खाद आहरण और खाद वितरण में अनियमितता का आरोप लगा है।

बेड़ाउमरगांव निवासी किसान श्याम लाल कश्यप ने 03 नवंबर को लिखित बयान दिया है कि 29 सितंबर को उसके सहकारी बैंक खाते से 11 हजार 359.70 रुपये का खाद आहरण



का मैसेज आया, जबकि उसने कोई खाद लिया ही नहीं है। जिला सहकारी बैंक शाखा बकावंड में पता करने पर लैंपस कचनार द्वारा उसके नाम पर खाद वितरण दर्शाया गया है और परमिट रसीद पर फर्जी हस्ताक्षर पाए गए।इसी तरह एक अन्य शिकायत में लगभग 28 हजार रुपये की निकासी का उल्लेख है। ग्राम बेड़ाउमरगांव के ही किसान हरदेव यादव ने धान खरीदी सत्र 2025-26 में धान विक्रय नहीं हो पाने और एग्रीस्टैक से जुड़ी परेशानी की भी शिकायत की है। पीड़ित किसानों ने बताया कि जब उन्होंने प्रबंधक और ऑपरेटर से शिकायत की तो कई दिनों तक टालमटोल किया गया और कहा गया 'जो कराना है करा लो'।

कलेक्टर से कार्रवाई की मांग

किसानों ने कलेक्टर बस्तर को शिकायत सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई और वर्तमान प्रबंधक को पद से हटाकर नए प्रबंधक की नियुक्ति की मांग की है।जांच में बैंक स्टेटमेंट, केसीसी लेनदेन, खाद स्टॉक रजिस्टर, वितरण पंजी, किसानों की प्राप्ति रसीद और हस्ताक्षरों का मिलान महत्वपूर्ण होगा। इस मामले में सहकारिता आयुक्त राकेश शर्मा द्वारा कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद किसानों की निगाहें जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं।



















मैट्स यूनिवर्सिटी ने मनाया 21वां स्थापना दिवस

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन आयोग से ए प्लस ग्रेड प्राप्त मैट्स यूनिवर्सिटी, रायपुर ने 3 नवंबर, 2826 मंगलवार एको अपना 21वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव सहित कर्मठ प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सम्मान भी किया गया।



21वें स्थापना दिवस का आयोजन यहां पंडरी स्थित मैट्स टॉवर के इंपैक्ट सेंटर में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। इस अवसर पर मैट्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति गजराज पगारिया ने कहा कि मैट्स यूनिवर्सिटी सिर्फ विश्वविद्यालय नहीं है बल्कि विश्वविद्यालय परिवार है जहां कार्यरत प्राध्यापकों से लेकर विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मचारी सभी मिलकर प्रदेश व देश में उच्च शिक्षा के विकास के लिए निरंतर परिश्रम करते हैं। उन्होंने कहा कि मैट्स विश्वविद्यालय वर्ष 2006 में छत्तीसगढ़ राज्य में स्थापित होने वाला प्रथम निजी विश्वविद्यालय है और वर्तमान में इसे राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन आयोग से ए प्लस ग्रेड प्राप्त है जो गौरव का विषय है। पगारिया ने कहा कि हमारा उद्देश्य है गुणवत्ता से परिपूर्ण विश्वस्तरीय उच्च शिक्षा प्रदान कर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना।

पगारिया ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय में अच्छा वातावरण है जो सभी के सहयोग से है। हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि हम छत्तीसगढ़ में नम्बर वन हैं और इसका श्रेय विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों को जाता है।

इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. के. पी. यादव ने कहा कि मैट्स विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ में अग्रणी रहा है और सदैव अग्रणी रहेगा। हम सदैव समय के साथ चलते रहे हैं और आगे भी चलते रहेंगे, बल्कि समय से आगे चलना आवश्यक है। वर्तमान में हम ए प्लस ग्रेड प्राप्त हैं, भविष्य में हमें ए प्लस प्लस ग्रेड प्राप्त होगा, हमें पूर्ण विश्वास है।

इसके पूर्व कुलसचिव गोकुलानंदा पंडा ने बीते बीस वर्षों की मैट्स विश्वविद्यालय की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। पंडा ने विश्वविद्यालय की अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियों की जानकारी दी और कहा कि सभी के प्रयासों से विश्वविद्यालय ने उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कुलाधिपति गजराज पगारिया और महानिदेशक प्रियेश पगारिया के कुशल नेतृत्व की सराहना की।

इस दौरान लेखा विभाग के प्रमुख सौरभ सोनी सहित सभी संकायों के विभाग प्रमुखों ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, विश्वविद्यालय के अधिकारीगण और कर्मचारी उपस्थित थे। इसके पूर्व विश्वविद्यालय के कुलसचिव गोकुलानंदा पंडा सहित लेखा विभाग प्रमुख सौरभ सोनी, डॉ. वी.पी. रॉय, वाय कृष्णा राव, डॉ. आशीष झा, परमिंदर कौर, डॉ. प्रशांत मुंडेजा, विकास निर्मलकर, दीप्तांशु शर्मा का शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा अनावरण एवं भवन का लोकार्पण आज



विश्व केसरी■

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151 जयंती के अवसर पर सर्व कुर्मी समाज द्वारा कोसला में निर्मित सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन एवं उनके भव्य प्रतिमा का अनावरण आज किया जाएगा ।

भव्य प्रतिमा अनावरण एवं भवन के लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी होंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता धरमलाल कौशिक विधायक बिल्हा,अति विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्यास कश्यप विधायक जांजगीर चांपा,नारायण चंदेल पूर्व नेता प्रतिपक्ष छत्तीसगढ़ शासन एवं अतिथि के रूप में ज्योति किशन कश्यप जिला पंचायत सदस्य, प्रतिभा दीपक कश्यप अध्यक्ष नगर पंचायत राहोद, कांता कश्यप अध्यक्ष जनपद पंचायत नवागढ़, शांति घासीराम कश्यप उपाध्यक्ष जनपद पंचायत नवागढ़, गया राम चंदेल उपाध्यक्ष नगर पंचायत राहोद होंगे।सर्व कुर्मी समाज क्षेत्र कोसला पामगढ़ द्वारा गुरुवार को दोपहर 1:00 बजे आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सामाजिक बंधुओं एवं आम नागरिकों से अधिक अधिक संख्या में उपस्थित की अपील की है ।

युवक पर एसिड से हमला करने वाली महिला गिरफ्तार

बिना वैध दस्तावेज एसिड बेचने वाला दुकानदार भी पकड़ाया

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। जिले के थाना चांपा क्षेत्र में युवक पर एसिड फेंककर हमला करने के मामले में थाना चांपा पुलिस ने महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं, बिना वैध दस्तावेज एसिड बेचने के मामले में दुकानदार मोहम्मद हुसैन बोहरा, उम्र 70 वर्ष, निवासी सदर बाजार, चांपा को भी गिरफ्तार किया गया है।



मामले का विवरण: प्रार्थी ने 28 अक्टूबर 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि महिला से प्रेम संबंध के दौरान विवाद होने पर उसने उसके ऊपर एसिड फेंक दिया, जिससे उसके दाहिने हाथ, भुजा एवं कलाई में जलने की चोटें आईं। पुलिस ने अपराध क्रमांक 585/26 के तहत धारा 124(2) बीएनएस में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच में सामने आया कि महिला ने शौचालय की सफाई के लिए दुकान से एसिड खरीदा था। वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर दुकानदार के विरुद्ध धारा 287 बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस ने दुकानदारों को ज्वलनशील पदार्थों की बिक्री निर्धारित नियमों के अनुसार करने तथा अवैध बिक्री से बचने की सख्त हिदायत दी है।

सराहनीय योगदान: थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार शेण्डे, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक सुरेश जट, महिला प्रधान आरक्षक पुष्पलता साहू एवं थाना चांपा पुलिस स्टाफ।

यादव समाज के भवन के उद्घाटन से पहले विवाद, स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जताई नाराजगी

विश्व केसरी■

खरौद (नीरज शर्मा)। नगर पंचायत खरौद में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित प्रांतीय यादव भवन के उद्घाटन समारोह से पहले विवाद सामने आया है। आगामी 5 नवंबर को आयोजित होने वाले भवन के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर नगर पंचायत के वर्तमान जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने नाराजगी जाहिर करते हुए आयोजन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि नगर में आयोजित होने वाले इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के कई लोगों को विश्वास में नहीं लिया गया और न ही उन्हें आयोजन में उचित रूप से आमंत्रित किया गया।

प्राप्त आमंत्रण पत्र के अनुसार 5 नवंबर 2026 को सुबह 11:30 बजे लक्ष्मणेश्वर मंदिर के पास स्थित प्रांतीय यादव भवन में उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं डॉ. चरणदास महंत सहित कई जनप्रतिनिधियों और समाज के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है।

इस मामले में नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद यादव, उपाध्यक्ष महेश्वर यादव, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष वेदराम यादव, भाजपा जिला एनजीओ प्रकोष्ठ संयोजक बसंत यादव, शिवरात्रि यादव, भूपेंद्र यादव, रामसाय यादव सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने आयोजन को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद यादव का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री के कार्यकाल में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से इस भवन का निर्माण कराया गया था। यह भवन खरौद नगर और आसपास के यादव समाज के लोगों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन विडंबना है कि जिस नगर में भवन का निर्माण हुआ, वहीं के जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों को उद्घाटन जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उपेक्षित किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि भवन का विधिवत हैंडओवर नगर पंचायत को अभी तक नहीं हुआ है। इसके बावजूद उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उनका आरोप है कि समाज के कुछ प्रमुख लोगों द्वारा आपसी सहमति और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लिए बिना मनमाने तरीके से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

दीपावली की रौनक ने बाजारों में बिखेरी चमक, आकर्षक तोरण और रंगीन लाइटों ने मोहा मन



विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। दीपावली पर्व की आहट के साथ ही बाजारों में उत्सव का रंग चढ़ने लगा है। नगर की सड़कों और प्रमुख बाजारों में जगह-जगह सजी दुकानों पर दीपावली की रौनक देखते ही बन रही है। रंग-बिरंगी रोशनी, आकर्षक सजावटी सामान और पारंपरिक दीपों से सजे बाजार लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है मानो दीपोत्सव की खुशियां बाजारों में पहले ही उतर आई हों।

दुकानों पर आर्टिफिशियल फूलों की आकर्षक मालाएं, रंग-बिरंगे बंदनवार, सुंदर तोरण, डिजाइनर लाइटें, चमचमाती झालरें, मिट्टी के दीये और दीपावली से जुड़े खूबसूरत सजावटी फोटो की भरमार है। घरों के मुख्य द्वार से लेकर पूजा स्थल तक को आकर्षक रूप देने के लिए एक से बढ़कर एक डिजाइन उपलब्ध हैं। आधुनिक सजावट के सामान के साथ पारंपरिक मिट्टी के दीये भी अपनी अलग पहचान बनाए हुए हैं।

बाजारों में सजी इन दुकानों की रंगीन छटा राह चलते लोगों का ध्यान खींच रही है। कोई घर के दरवाजे के लिए सुंदर तोरण पसंद कर रहा है, तो कोई आर्टिफिशियल फूलों और आकर्षक लाइटों से अपने घर को सजाने की तैयारी में जुटा है। वहीं मिट्टी के दीयों की कतारें दीपावली की पारंपरिक संस्कृति और भारतीय परंपरा की याद दिला रही हैं।

दीपावली केवल रोशनी का पर्व नहीं, बल्कि खुशियों, उमंग और आपसी प्रेम का त्योहार भी है। इसी उत्साह की झलक इन दिनों बाजारों में साफ दिखाई दे रही है। दुकानदारों ने भी ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए सजावटी सामान की आकर्षक वैरायटी सजाई है। कुल मिलाकर दीपावली के आगमन से पहले ही बाजार रोशनी और रंगों के उत्सव में सराबोर नजर आने लगे हैं।

बुआ को गाली दी तो छेनी से मारकर कर दी हत्या

हत्या के 24 घंटे के अंदर दो आरोपियो को लखनपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल

विश्व केसरी■

लखनपुर (रिक्की)। सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रजपुरीकला में शराब पीने के दौरान बुआ को गाली देने के विवाद में पड़ोसी की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस के रिमांड प्रतिवेदन के अनुसार, शराब के नशे में बुआ को गाली देने से मना करने पर दो भाइयों ने कथित तौर पर अपने ही पड़ोसी के साथ मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने की कार्रवाई की है।



शराब पीने के दौरान शुरू हुआ विवाद

पुलिस के रिमांड प्रतिवेदन में उल्लेखित जानकारी के अनुसार, 2 नवंबर 2026 की शाम मृतक अंगद राम चौधरी आरोपी धर्मेंद्र चौधरी के घर में धर्मेंद्र चौधरी और मुकेश चौधरी के साथ बैठकर शराब पी रहा था। इसी दौरान शराब के नशे में धुत अंगद चौधरी के द्वारा धर्मेंद्र की बुआ श्याम बाई को गाली-गलौज की जाने लगी। मृतक अंगद राम द्वारा किए जा रहे गाली गलौज का विरोध करते हुए दोनों को ऐसा करने से मना किया तथा उसे घर छोड़ने चले गए।जहां घर से मृतक आरोपियों के बुआ को गाली गलौज करता रहा।जिसके बाद यह बात दोनों भाइयों को नागवार गुजरा जिसके बाद

विवाद बढ़ने पर दोनों आरोपियों ने मृतक के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इसी दौरान मुकेश चौधरी ने घर में रखी लोहे की छेनी उठाकर अंगद राम के सिर पर वार कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से काफी खून बहने लगा। इसके बाद दोनों आरोपी मौके से चले गए।इस दौरान आरोपियों को मृतक को पकड़ने का प्रयास भी किया लेकिन वह असफल रहा।

सुबह मिली खून से लथपथ लाश

3 नवंबर की सुबह करीब 8 बजे गांव के रोशन चौधरी ने परिजनों को सूचना दी कि अंगद राम घर के बाहर गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा है। उसके सिर में गंभीर चोट थी और कपड़े खून से सने हुए थे। अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या किए जाने की आशंका के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पूछताछ में सामने आई विवाद की कहानी

विवेचना के दौरान संदेही मुकेश चौधरी और धर्मेंद्र चौधरी से अलग-अलग पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लोहे की छैनी भी जप्त किया है ।आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया गया।

4 नवंबर को दोनों आरोपी गिरफ्तार

लखनपुर पुलिस ने मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों आरोपियों को 4 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 1:40 बजे मुकेश चौधरी (23 वर्ष), पिता श्याम लाल चौधरी तथा 1:50 बजे धर्मेंद्र चौधरी (26 वर्ष), पिता स्वर्गीय चंदन राम चौधरी को गिरफ्तार किया जहां आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ करने पर पूरी बात सामने आई।दोनों आरोपी ग्राम रजपुरीकला, थाना लखनपुर, जिला सरगुजा के निवासी बताए गए हैं।

जनपद पंचायत अध्यक्ष रंजना जांगड़े ने मेहंदी में शेड निर्माण का किया लोकार्पण



विश्व केसरी■

राहौद (नीरज शर्मा)। जनपद पंचायत पामगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहंदी के दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर परिसर में शेड निर्माण कार्य का लोकार्पण एवं भव्य भंडारा कार्यक्रम संपन्न हुआ। ग्राम मेहंदी स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर परिसर में जनपद पंचायत पामगढ़ के 15 वें वित्तीय राशि से अध्यक्ष रंजना मानेश जांगड़े ने शेड निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया है।

1 नवंबर उनके जन्मदिवस के अवसर पर नवनिर्मित शेड का विधिवत लोकार्पण एवं भव्य भंडारा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

लोकार्पण कार्यक्रम में देवरघटा धाम के बड़े महाराज का सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस दौरान जंप अध्यक्ष ने जरूरतमंद लोगों को गर्म कपड़े एवं मिठाई भेंट की इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सत्यलता आनंद मिली, भाजपा जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े, सरपंच ग्राम पंचायत मेहंदी संतोषी अजगल्ले, सहित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

कार्यालय नगर पंच कुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0)

// ईश्तहार//

Email ID-cmochoora@red-iffmail.com, Phoen No.-07701266120

क्रमांक / 697 न0प0/राजस्व 2026-27 छुरा, दिनांक 30/10/26

नगर पंचायत छुरा, प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री वकील मोहम्मद पिता स्व. श्री जान मोहम्मद निवासी छुरा, तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) द्वारा इस निकाय मे नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है कि आवेदक द्वारा स्थान वार्ड क्र0 09 गुरु घासीदास वार्ड प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) में स्थित भवन का खसरा नंबर 552/158 का टुकड़ा मे से रकबा 288.75 वर्गमीटर, जो कि वार्ड क्र0 09 गुरु घासीदास वार्ड स्थित भूमि जो कि श्री जान मोहम्मद पिता स्व श्री शेख मोहम्मद निवासी छुरा तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) के नाम पर स्थित है। उक्त भवन का आवेदक द्वारा आपसी बटवारानामा के पश्चात आवेदक के नाम पर दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत नामांतरण आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नामांतरण ईश्तहार दिनांक से 30 दिनों के भीतर स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस कार्यालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत समायावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
जिला -गरियाबंद (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर:: -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36780..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 04-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36780
वार्ड का नाम 62 शहीद राजीव पांडे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 62 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR654H00028** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MO. JANHAGIR** पिता / पति श्री/श्रीमती **s/o mo. Mustak** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **MOHAMMAD ARSHAD AYYUB** पिता / पति श्री श्रीमती **MOHAMMAD JAHANGIR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **/ DEATH CERTIFICATE AND SHAPATH /**वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर:: -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36733..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36733
वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227C00241** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJEEV AGRAWAL S/O DR. P.N. AGRAWAL, SMT.SHAILY AGRAWAL D/O DR. P.N. AGRAWAL** पिता / पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **मनीष अग्रवाल** पिता/पति श्री/श्रीमती **सत्यनारायण अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर:: -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36728..../ न. पा. नि. जोन क्र. 9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36728
वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227100017** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SURJEET KHURANA** पिता/पति श्री श्रीमती **MURARI LAL KHURANA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती फौकिया युनुस पिता/पति श्री श्रीमती सैय्यद युनुस** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर:: -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36721..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36721
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227P0169A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SADASHIV RAO TICHKULE S/O LATE DAJIBA RAO TICHKULE, SUDHIR KUMAR TICHKULE, SADASHIV RAO TICHKULE** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती मधु वर्मा पिता / पति श्री श्रीमती गिरवर वर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर:: -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36675..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36675
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227K00010** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ONKAR SINGH ARORA** पिता/पति श्री श्रीमती **SARDAR HARBHAJAN SINGH ARORA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती जनता बाई एम तलरेजा पिता / पति श्री श्रीमती मन्नू राम तलरेजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

राज्य अलंकरण से सम्मानित हुई कबीरधाम की दो विभूतियां, जिले का बढ़ाया मान

नवा रायपुर में आयोजित समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री साय ने किया सम्मानित

विश्व केसरी■



कवर्धा (शैलेंद्र उपाध्याय)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर कबीरधाम जिले की दो विभूतियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए राज्य अलंकरण से सम्मानित किया गया। नवा रायपुर में 3 नवंबर को आयोजित राज्य अलंकरण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जिले के सत्येन्द्र कुमार उपाध्याय और किसान पुन्नी भट्ट को सम्मानित किया। जिले की इन दोनों विभूतियों को प्रदेश स्तर पर सम्मान मिलना कबीरधाम के लिए गौरव और हर्ष का विषय है।

ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सत्येन्द्र कुमार उपाध्याय भोरमदेव जंगल रिट्रीट को छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की ओर से चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने, स्थानीय पर्यटन स्थलों की पहचान और उनके विकास की संभावनाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में उनके योगदान को इस सम्मान के माध्यम से सराहा गया है। यह पुरस्कार ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और स्थानीय पर्यटन को नई पहचान दिलाने के प्रयासों का सम्मान है। इसी तरह कबीरधाम जिले के ग्राम बरबसपुर, कवर्धा निवासी किसान पुन्नी भट्ट को कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए राज्य अलंकरण के अंतर्गत डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त कर भट्ट ने कबीरधाम जिले का मान बढ़ाया है।

कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने दोनों सम्मानित विभूतियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने जिले के लिए इसे गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। दोनों विभूतियों को प्राप्त राज्य अलंकरण से कबीरधाम जिले की उपलब्धियों को प्रदेश स्तर पर पहचान मिली है। उनकी सफलता से जिले के अन्य लोगों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने तथा समाज एवं प्रदेश के विकास में योगदान देने की प्रेरणा मिलेगी।

नगरनार में लव जिहाद की कोशिश नाकाम

युवक ने मानी गलती, लिखा माफीनामा



विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। ग्राम पंचायत नगरनार में रहने वाले मुस्लिम युवक द्वारा हिंदू युवती को विवाह प्रस्ताव का मामला सामने आने के बाद विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के सैकड़ों कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ ग्राम पंचायत नगरनार के ग्रामीणों द्वारा नगरनार ग्राम पंचायत कार्यालय के सामने विशेष बैठक कर इस मामले की कड़ी निंदा करते हुए भविष्य में ऐसी घटना न हो इसके लिए कार्ययोजना बनाने पर सभी की सहमति रही। लोगों ने प्रशासन से मांग की गई कि ऐसे विषयों को गंभीरता से लेते हुए कानून सम्मत उचित कार्रवाई की जाए।

मिली जानकारी के अनुसार नगरनार ग्राम पंचायत में रहने वाले मुस्लिम युवक मोहम्मद कलीम पिता मोहम्मद नासिर ने माफीनामा लिख कर स्वीकार किया है कि उसने एक हिंदू युवती को विवाह का प्रस्ताव भेजा था, जिसमें युवती को शादी का झांसा देने की बात कही गई है। जब यह बात युवती के घरवालों को पता चली, तो उन्होंने इस पर आपत्ति जताते हुए सूचना विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के साथ सरपंच नगरनार को भी दी। जिसके बाद सभी ने नगरनार ग्राम पंचायत कार्यालय के सामने विशेष बैठक कर युवक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों के विरोध व परिषद के भय से मोहम्मद कलीम ने माफीनामा सरपंच के नाम लिख कर दिया जिसमें विवाह प्रस्ताव की बात स्वीकार करते हुए बड़ों की समझाइश व ग्राम में सामाजिक वातावरण के साथ शांति व्यवस्था बनी रहे और सामाजिक सद्भाव बना रहे का हवाला देते विवाह प्रस्ताव को त्यागते हुए उक्त युवती से किसी भी प्रकार के संबंध नहीं रखने की बात कही गई। अत: इस बात को यही समाप्त किया जाए और गांव में किसी भी प्रकार की तनाव की स्थिति न बने।

इस मामले पर विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सह मंत्री रवि ब्रह्मचारी ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में बहन बेटियों के साथ किसी भी प्रकार के धर्मांतरण, लव जिहाद जैसे मामलों को गंभीरता से लेते है ऐसे मामलों में विश्व हिंदू परिषद पीड़ित के साथ सदैव रहेगा। भविष्य में ऐसी किसी भी घटना का प्रतिकार करने की क्षमता विहिप में है। प्रशासन को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए। इस अवसर पर नगरनार के सरपंच रेनू राम बघेल, पंच घनश्याम सेठिया, मन्नू बघेल, परमानंद, देवी नारायण, बलि सेठिया, प्रीतम ठाकुर, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि हरि साहू, अर्जुन सेठिया, विश्व हिंदू परिषद से घनश्याम नाग, विष्णु ठाकुर, प्रतीक गुरु, भवानी सिंह, सुरेंद्र तिवारी, अनिल सेठिया, बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थि रहे।

भाजपा का केंद्र की सत्ता में बने रहने का समय खत्म हो चुका है: मानिकपुरी



विश्व केसरी■

बसना (अशोक प्रधान)। तिरीथ कुमारी मानिकपुरी प्रदेश समन्वयक ओबीसी कांग्रेस छत्तीसगढ़ एवं प्रदेश सचिव महिला कांग्रेस छत्तीसगढ़ ने लोकतंत्र की रक्षा, संविधान की गरिमा और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा के संकल्प के साथ दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में अपने सहयोगियों सहित उपस्थित हुई। लोकतांत्रिक मूल्यों और जनता के अधिकारों की आवाज़ को बुलंद करने के लिए यह एकजुटता बेहद महत्वपूर्ण है। दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर 2026 को विपक्षी दलों के गठबंधन द्वारा 'वोट बचाओ, देश बचाओ' नाम से एक विशाल महारैली और शक्ति प्रदर्शन का आयोजन किया गया था।

तिरीथ कुमारी मानिकपुरी प्रदेश सचिव छग महिला कांग्रेस ने कहा कि इस प्रदर्शन के दौरान विपक्षी दलों (राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, मल्लिकार्जुन खड़गे आदि सहित 20 से अधिक दलों के नेता) ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और कथित चुनावी धांधली व वोटर लिस्ट के मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। ओबीसी कांग्रेस की प्रदेश समन्वयक एवं प्रदेश सचिव छग महिला कांग्रेस तिरीथ कुमारी मानिकपुरी ने कहा कि विपक्ष ज्ञानेश कुमार को बचने नहीं देगा और उन्हें हटाकर ही दम लेगा।

समन्वयक सर्वेश कुमार सिंह ने किया प्राथमिक शाला गढ़पटनी का आकस्मिक निरीक्षण

विश्व केसरी■



बसना (अशोक प्रधान)। बसना विकास खण्ड अन्तर्गत शासकीय प्राथमिक शाला गढ़पटनी में आज संकुल समन्वयक सर्वेश कुमार सिंह द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं विद्यालय की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान प्रधान पाठक सरविन्द सिदार सहित दो शिक्षक विद्यालय में उपस्थित पाए गए, जबकि एक शिक्षक आकस्मिक अवकाश पर थे। शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से VSK ऐप में उपस्थिति दर्ज की गई थी। विद्यालय में कुल 69 विद्यार्थी दर्ज हैं, जिनमें से निरीक्षण के समय 60 विद्यार्थी उपस्थित पाए गए।

समन्वयक सर्वेश कुमार सिंह ने कक्षाओं में जाकर बच्चों के शैक्षणिक स्तर का जायजा लिया। उन्होंने समय-सारणी के अनुसार नियमित अध्यापन कार्य संचालित होते पाया। साथ ही शिक्षकों द्वारा शिक्षक डायरी का प्रतिदिन संधारण किए जाने की भी जानकारी ली।

विद्यालय में बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से ज्ञान अभिवृद्धि पंजी का संधारण किया जा रहा है। इसके माध्यम से कमजोर बच्चों को चिन्हांकित कर उन्हें विशेष ध्यान देते हुए उपचारात्मक शिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे बच्चों के सीखने के स्तर में सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहा है।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर की स्वच्छता, सुरक्षा एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया गया। समन्वयक द्वारा विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

दीपावली तक बढ़ाई गई जीके इलेक्ट्रिक की नवरात्रि स्क्रैच एंड विन योजना में रायगढ़ के ग्राहक ने जीती होंडा एक्टिवा



विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। त्योहारी खुशियों के बीच जीके इलेक्ट्रिक की ग्राहक संतोषी यादव के लिए इस बार की खरीदारी यादगार बन गई। रायगढ़ स्थित जीके इलेक्ट्रिक की अधिकृत डीलरशिप अमर ईवी से इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर खरीदने वाली संतोषी यादव ने कंपनी की नवरात्रि स्क्रैच एंड विन योजना के तहत होंडा एक्टिवा जीती है।

जीके इलेक्ट्रिक ने नवरात्रि के अवसर पर अपने ग्राहकों के लिए यह विशेष योजना शुरू की थी, जिसे ग्राहकों की अच्छी प्रतिक्रिया को देखते हुए अब दीपावली तक बढ़ा दिया गया है। इस योजना के तहत कंपनी के सभी डीलरशिप पर वाहन खरीदने वाले प्रत्येक ग्राहक को निश्चित उपहार दिया जा रहा है। इसके साथ ही ग्राहकों को टीवी, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर सहित कई आकर्षक इनाम जीतने का मौका भी मिल रहा है। रायगढ़ की संतोषी यादव को मिली होंडा एक्टिवा इसी योजना का एक खास आकर्षण है। अलग-अलग डीलरशिप पर ग्राहकों को मिल रहे इनामों से इस अभियान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

डीए में अंतर से कर्मचारियों में नाराजगी

विश्व केसरी■

आरंग (पवन साहू)। चुनावी घोषणा पत्र में मोदी की गारंटी के तहत राज्य कर्मचारियों को केंद्र के समान महंगाई भत्ते का अधिकार है। केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में 3 प्रतिशत वृद्धि के बाद अब राज्य कर्मचारी फिर से 3 प्रतिशत पीछे हो गए हैं। महंगाई दर केंद्र और राज्य कर्मचारियों दोनों के लिए समान रूप से बढ़ी है।

इस दृष्टि से राज्य कर्मचारियों के साथ भेदभाव समझ से परे है। राज्य कर्मचारी शासन की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने वाली मुख्य कड़ी हैं। अत: इनके आर्थिक हितों की उपेक्षा सर्वथा अनुचित है। समान डीए से वंचित रखना राज्य कर्मचारियों के अधिकारों का हनन है। लंबित डीए के कारण इन कर्मचारियों को वेतन में प्रतिमाह हजारों रुपये का घाटा हो रहा है। राज्य शासन द्वारा शासकीय कर्मचारियों की उपेक्षा और भेदभावपूर्ण नीति के चलते कर्मचारियों में निराशा एवं नाराजगी है। राज्य कर्मचारी लगातार महंगाई के बीच वेतन में राहत मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। शिक्षक कल्याण संघ आरंग के अध्यक्ष जग्गूराम साहू, शिक्षक संघ के मुखिया हरीश दीवान, डॉ. बेदलाल साहू, प्रवक्ता पं. छत्रधर दीवान, राजकुमार दीपक, छोटूराम साहू, प्रफुल्ल मांझी, युवराम साहू, ठाकुर राम साहू, हेमंत चंद्राकर, भास्कर यादव, टीकाराम साहू, जिलाध्यक्ष कुंभज सोनवानी, नेमेश्वर साहू, गणेश राम साहू और व्याख्याता निर्मला पांडेय ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। संघ के नेताओं का मानना है कि प्रदेश की उत्तरोत्तर प्रगति में राज्य कर्मचारियों की अहम भूमिका है और ये कर्मचारी ही राज्य के विकास के आधार स्तंभ हैं। किंतु डीए में असमानता से इन कर्मचारियों में हीनता का भाव घर कर गया है। क्या भविष्य में केंद्र के समान देय तिथि से महंगाई भत्ता देने की कोई स्थायी व्यवस्था बनेगी, यह एक यक्ष प्रश्न है, जिसका उत्तर सरकार के पास है।

सड़क दुर्घटना में घायलों की जान बचाने वाले जिले के चार राहवीरों को राज्योत्सव में मिला सम्मान

विश्व केसरी■



बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद कर उनकी जान बचाने वाले जिले के चार साहसी नागरिकों को राज्योत्सव के गरिमामय समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद लोकसभा क्षेत्र रायपुर बृजमोहन अग्रवाल जी द्वारा चारों राहवीरों को प्रशस्ति पत्र एवं 25000 रू0 पुरस्कार प्रदान कर उनके साहस, संवेदनशीलता एवं मानवता के प्रति समर्पण की सराहना की गई।

पुलिस अधीक्षक गौरव राय के मार्गदर्शन एवं डीएसपी यातायात संजय कुमार साहू के निर्देशन में जिले में राहवीर (गुड सेमेरिटन) योजना के प्रचार-प्रसार एवं आम नागरिकों को सड़क दुर्घटना में घायलों की सहायता के लिए प्रेरित करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

संकट की घड़ी में दिखाई मानवता, बचाई घायलों की जान : उल्लेखनीय है कि दिनांक 21 मई 2025 को रात्रि लगभग 8:20 बजे ग्राम संडी स्थित श्रीराम राइस मिल के पास मुख्य मार्ग पर एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई थी। दुर्घटना में ट्रक एवं ईको कार की टक्कर से ईको कार में आग लग गई थी। कार में सवार चार व्यक्तियों में से तीन तथा दोनों ट्रकों के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

दुर्घटना के समय ग्राम संडी के चार जागरूक नागरिकों ने बिना समय गंवाए साहस एवं मानवता का परिचय दिया। उन्होंने दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराते हुए एंबुलेंस के माध्यम से मात्र 15 मिनट के भीतर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

निधन

झब्बू लाल लोधी



आरंग। वार्ड क्र. 03 निवासी झब्बू लाल लोधी (75 वर्ष) का मंगलवार को निधन हो गया।

वे नगर पालिका परिषद के सभापति एवं वार्ड क्र. 03 के पार्षद नरेंद्र लोधी, राजकुमार एवं नंदकुमार लोधी के पिता तथा प्रद्युम्न लोधी के दादा थे। उनका अंतिम संस्कार 04 नवंबर को प्रात: 9 बजे महानदी तट पारागांव (आरंग) में किया जाएगा।

खेल प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित बस्तर ओलंपिक का भव्य समापन

विश्व केसरी■



अंतागढ़ (डम्पी खान)। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण अंचलों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने तथा युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से उन्मुक्त खेल मैदान अंतागढ़ में आयोजित दो दिवसीय बस्तर ओलंपिक 2026-27 का आज उत्साह और उमंग के बीच भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता के दोनों दिनों में विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं सहित क्षेत्र की महिलाओं और ग्रामीण अंचलों के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।बस्तर ओलंपिक के प्रथम दिवस स्कूली विद्यार्थियों के बीच विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वहीं दूसरे दिन स्कूली विद्यार्थियों के साथ महिलाओं ने भी खेल मैदान में अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह और प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। अंतागढ़ ब्लॉक के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे प्रतिभागियों ने विभिन्न खेलों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। खेल मैदान में खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बस्तर ओलंपिक के अंतर्गत एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो सहित विभिन्न खेल विधाओं को शामिल किया गया था। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को सामने लाने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करने का प्रयास किया गया।

प्रतियोगिताओं के समापन अवसर पर विभिन्न खेल विधाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता प्रतिभागियों को उपस्थित अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देता है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का बेहतर मंच मिलता है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष राधेलाल नाग, जनपद पंचायत अध्यक्ष मनोरमा मंडावी, नगर पंचायत उपाध्यक्ष अमल सिंह नरवास, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष कुंबल सिंह भूसाखरे, मंडल महामंत्री लक्ष्मण सिंह ठाकुर, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अलावा शिक्षक-शिक्षिकाएं, आयोजन से जुड़े समस्त स्टाफ, स्कूली छात्र-छात्राएं, पालकगण एवं बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे।

दो दिवसीय बस्तर ओलंपिक के सफल आयोजन और समापन ने अंतागढ़ क्षेत्र में खेलों के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। आयोजन में ग्रामीण खिलाड़ियों, विद्यार्थियों और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने यह संदेश दिया कि उचित अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर ग्रामीण अंचलों की प्रतिभाएं भी खेल के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना सकती हैं।

जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा राजिम राम वन गमन पथ यात्रा का भव्य स्वागत

विश्व केसरी■



राजिम (शेखर मिश्रा)। भगवान श्रीराम के वनवास काल से जुड़े धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को जोड़ने निकली राम वन गमन पथ यात्रा का रविवार को राजिम में भव्य स्वागत किया गया। दिल्ली से प्रारंभ हुई यात्रा के राजिम पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा और जय श्रीराम के जयकारों के साथ अभिनंदन किया।

यात्रा के दौरान लोमस ऋषि आश्रम, त्रिवेणी संगम स्थित कुलेश्वरनाथ महादेव एवं राजीव लोचन मंदिर में दर्शन-पूजन किया गया। इसके बाद यात्रा फिंगेश्वर स्थित मांडव्य ऋषि आश्रम पहुंची, जहां साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। यात्रियों ने सरगी नाला के भी दर्शन किए। राजिम में डॉ. पन्नालाल वशिष्ठ, डॉ. रमाकांत शर्मा, जीवनलाल सेन, कमलेश सिन्हा एवं राजीव लोचन मंदिर के सर्वराकार चंद्रभान सिंह ठाकुर सहित गणमान्य नागरिकों ने स्वागत किया। वहीं फिंगेश्वर में अशोक राजपूत, सर्वराकार राजा नीलेन्द्र बहादुर सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डॉ. राम अवतार शर्मा के निर्देशानुसार जसवाल के नेतृत्व में निकली यात्रा का उद्देश्य भगवान श्रीराम से जुड़े धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना है। यात्रा का समापन 5 नवंबर को दिल्ली में होगा।

संपादकीय

सह-यात्री अमृता-दिग्विजय को भी याद रखना जरूरी



प्रो. मनोज कुमार

वह साल 2015 था। इसी साल कुछ थोड़ा पहले अमृता-दिग्विजय की प्रेम-कहानी मीडिया में परवान चढ़ी हुई थी। मीडिया अपने आदत के अनुरूप उतावला हुआ जा रहा था। जैसा बातें बनती है, बननी शुरू हुई। आगे बात बढ़ती और गपशप आगे बढ़ता इसके पहले अमृता-दिग्विजय ने सार्वजनिक तौर पर अपने रिश्ते को कबूल कर लिया। यही नहीं, इसी साल वे तमिलनाडु के एक मंदिर में जीवनभर के लिए बंधन में बंध गए। मीडिया में गपशप खत्म हो गई। अमृता-दिग्विजय का नवीन दांपत्य जीवन आरंभ हो गया। फौरीतौर पर देखा जाए तो दोनों में कोई मेल नहीं था। तब 68 बरस के दिग्विजयसिंह और 44 बरस की अमृता सिंह। एक राजनीति के गूढ़-ज्ञानी और दूसरी मीडिया का चमकता चेहरा। हालाँकि इस रिश्ते में एक बात कॉमन थी, वह यह कि अमृता-दिग्विजय अपनी-अपनी तनहाई में जी रहे थे। दिग्विजयसिंह की धर्मपत्नी आशाजी का बीमारी उपरांत देहांत हो गया था और अमृता अपने पति आनंद प्रधान से आपसी सहमति से अलग हो गई थीं। दोनों साथ जीवन की आगे की यात्रा में निकल पड़े। आशंका जाहिर की गई कि अमृता ने यह शादी दिग्विजयसिंह की दौलत और रसूख के कारण की है लेकिन यह अमृता ने इस आशंका को भी निर्मूल साबित कर दिया यह कह कर कि दिग्विजय की संपत्ति उनके बच्चों के नाम ही रहेगी। यह पूर्व पीठीका जानना इसलिए जरूरी है कि भारतीय सनातन परंपरा है क्या और कैसे निभाया जाता है। 2025 से लगाकर 2026 के एक दशक से अधिक समय में अमृता-दिग्विजय ने दो बड़ी यात्रा कर चुके हैं और इस समय वे तीसरी यात्रा पर हैं।

सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा की चर्चा इन दिनों राजनीतिक-गैर-राजनीतिक मंचों पर हो रही है। इसके पहले नर्मदा परिक्रमा और भारत जोड़ो यात्रा दिग्विजयसिंह पूरी कर चुके हैं। दिग्विजयसिंह हर यात्रा के



नायक होते हैं और यह स्वाभाविक भी है। यह उनका संकल्प होता है और वे यात्रा पर निकल पड़ते हैं। उनका यह संकल्प, यह यात्रा अधूरी रहती, अगर उनके साथ उनकी सहधर्मिणी अमृता सिंह कंधे से कंधा मिलाकर साथ नहीं होतीं। अमृता सिंह उस सनातन परंपरा को निभा रही हैं जिसमें उल्लेखित है कि बिना जोड़े से ना कोई पूजा पूर्ण होती है और ना कोई संकल्प मूर्त रूप लेता है। भारतीय समाज में रिश्तों की यही खूबसूरती है कि वे किसी भी परिस्थिति में एक हों लेकिन जब एक हो जाते हैं तब वे रिश्ते को शिद्दत से जीते हैं। विवाह के पश्चात अमृता-दिग्विजय की यह तीसरी यात्रा है। इस यात्रा का सबसे मोहक पल तो वह रहा कि जब यात्रा के दरम्यान भारतीय स्त्री के लिए जरूरी पर्व 'करवा चौथ' आ गया। एक भारतीय पत्नी की मानिंद उपवास रखा, पति की सूरत परंपरानुसार चलनी में देखा, पति ने जल पिलाकर उपवास तुड़वाया और अमृता-दिग्विजय आगे की यात्रा पर चल पड़े। इस कहानी को राजनीतिक चश्मे से देखेंगे तो कई अर्थ निकलेंगे लेकिन इसे सहज भाव से पढ़ेंगे तो यह अलहदा लगेगा।

दिग्विजयसिंह के साथ ब्याह उपरांत कतिपय सार्वजनिक आयोजनों में अमृता-दिग्विजय आमंत्रित किए जाने लगीं। एक कोई प्रोग्राम भोपाल के रवीन्द्र भवन में भी था। वे वहाँ पहुँचीं लेकिन ना तो मंच पर गईं और ना ही प्रथम पंक्ति में बैठने लिए कोई उपक्रम किया। यह संयोग था कि ठीक उनके पीछे की पंक्ति में मैं भी बैठा था। स्वाभाविक था कि मेरे भीतर का पत्रकार सक्रिय हो गया। प्रोग्राम एक तरफ, अब मेरा सारा ध्यान उन पर था। मैं हतप्रभ था कि कभी आधुनिक पोशाक पहनकर टेलीविजन चैनल में सक्रिय रहने वाली अमृता पूरे संस्कार के साथ कोई डेढ़ घंटे के प्रोग्राम में भारतीय परिधान साड़ी में उपस्थित रहीं। सबसे खास बात यह है कि उनके सिर का पल्लू एक पल के लिए इधर-उधर नहीं हुआ। मुझे यह सब रोमांचित कर गया। यह लिखना उस समय भी चाहता था लेकिन टलता रहा और जब वे अमृता-दिग्विजय बनकर उनकी सहयात्री हैं तो लिखना जरूरी लगा। जरूरी इसलिए भी कि इस यात्रा में उनकी चर्चा नाममात्र के लिए हो रही है।

प्रदूषण पर राजनीति का धुआं और जनता की घुटती सांसें

ललित गर्ग

त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं, सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं। दीपावली प्रकाश, प्रसन्नता, उल्लास और मंगलकामना का पर्व है, लेकिन यदि उत्सव की चमक के पीछे आसमान धुएं से भर जाए, बच्चों और बुजुर्गों का दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवा के लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्म की जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाज की साझा जिम्मेदारी है।

मुंबई का उदाहरण इस समस्या की गंभीरता को और उजागर करता है। सामान्यत: समुद्र की हवाओं और भौगोलिक स्थिति के कारण मुंबई को दिल्ली की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचार का लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। बीएमसी की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार, मुंबई के 14 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 13 पर पीएम-10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में यह स्तर 125 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महानगरीय विकास की उस दिशा पर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगों के हिस्से की स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषण का पूरा दोष केवल दीपावली के पटाखों पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषण की समस्या को त्योहारों के दौरान और गंभीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषण का स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावली के आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियता का प्रदर्शन है। मुंबई में 13 निगरानी केंद्रों का राष्ट्रीय मानक से ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओं के भरोसे पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। सर्दियों की शुरुआत होते ही तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में प्रदूषकों के ठहराव से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद के नागरिक हर वर्ष इस जहरीले वातावरण का सामना करते हैं। सुबह की सैर स्वास्थ्य का



माध्यम बनने के बजाय जोखिम बन जाती है। बच्चों को खांसी, बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी और पहले से बीमार लोगों को अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। जिस हवा में जीवन का संगीत होना चाहिए, उसमें जब प्रदूषण का जहर घुल जाए तो विकास के तमाम दावे बेमानी लगने लगते हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के अवसर पर केवल प्रमाणित हरित पटाखों की सीमित बिक्री और निर्धारित समय में उनके उपयोग की अस्थायी अनुमति दी है। 7 और 8 नवंबर के लिए निर्धारित समय सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे है। इसके बाद 9 नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध फिर प्रभावी होना है। न्यायालय ने नियमों के उल्लंघन और पारंपरिक पटाखों को हरित पटाखों के नाम पर बेचने से रोकने के लिए सख्त निगरानी पर भी जोर दिया है। लेकिन प्रश्न यह है कि आदेश कागज पर सख्त और सड़कों पर बेअसर क्यों रह जाते हैं? हरित पटाखों की आड़ में पारंपरिक पटाखों की बिक्री, निर्धारित समय के बाद आतिशबाजी और प्रतिबंधित सामग्री का खुलेआम कारोबार प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलता है। कानून बनाना पर्याप्त नहीं, उसका निष्पक्ष और कठोर क्रियान्वयन भी जरूरी है। यदि नियम तोड़ने वालों को राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता का लाभ मिलता रहा तो न्यायालयों के निर्देश भी धुएं में उड़ते रहेंगे।

दीपावली के उत्सव को सीमित पटाखों, सामूहिक आतिशबाजी और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के साथ भी पूरे उल्लास से मनाया जा सकता है। उत्सव की सार्थकता शोर की तीव्रता में नहीं, बल्कि मन की प्रसन्नता और सामाजिक सद्भाव में है। यह किसी की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का सम्मान है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब दीया मिर्जा जैसी अभिनेत्री पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हैं तो उनके संदेश को राजनीतिक विवाद में उलझा दिया जाता है। मुंबई उच्च न्यायालय ने 3 नवंबर को बीएमसी को उनका हटाया गया वीडियो दोबारा अपलोड करने का निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि पर्यावरण के मुद्दे को राजनीतिक या सांप्रदायिक रंग देना अनुचित है। न्यायालय की यह टिप्पणी हमारे लोकतांत्रिक विवेक को झकझोरने वाली है।

आज आवश्यकता है कि सरकारें, न्यायपालिका, नगर निकाय, राजनीतिक दल, उद्योग जगत, सामाजिक संगठन और आम नागरिक एक साझा संकल्प के साथ आगे आएं। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण हो, वाहनों के उत्सर्जन पर कठोर निगरानी हो, सार्वजनिक परिवहन मजबूत बने, कचरा जलाने पर रोक लगे और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो। साथ ही नागरिक भी पटाखों के अनावश्यक उपयोग, कचरा जलाने और निजी वाहनों के अंधाधुंध इस्तेमाल से बचें। अंतत: सवाल यह नहीं है कि दीपावली पर पटाखे चलें या न चलें, सवाल यह है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन दे पाएंगे? राजनीति की अपनी जगह है, धर्म और परंपराओं का अपना महत्व है, लेकिन जीवन से बड़ा कोई उत्सव और स्वास्थ्य से बड़ी कोई परंपरा नहीं हो सकती। याद रखना होगा कि प्रदूषण किसी की जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधारा देखकर फेफड़ों में प्रवेश नहीं करता। हवा सबकी साझा है और उसका संकट भी सबका साझा संकट है। दीपावली के दीप जलें, घर-आंगन रोशन हों, खुशियां बिखरें, लेकिन किसी की सांसों में अंधेरा न उतरे। प्रकाश का पर्व मनाएं, प्रदूषण का पर्व नहीं। यही समय की पुकार है और यही सच्चे उत्सव का विवेकपूर्ण अर्थ है।

दीपावली: धर्म की लौ और प्रकाश की परंपरा का पर्व



डॉ घनश्याम बादल

दीपावली पर अमावस्या की रात को मनुष्य अपने घरों में असंख्य दीप जलाकर उजाले का पर्व बनाकर एक तरह से प्रकृति को चुनौती देता है। यह भारतीय संस्कृति की ऐसी अनूठी विशेषता को सामने लाता है जो अंधकार को कोसने के बजाय दीप जलाने की परंपरा लेकर आता है यही दीपावली का सबसे बड़ा दर्शन है । दीपावली का पर्व बताता है कि परिस्थितियां चाहे जितनी प्रतिकूल हों, मनुष्य को अपने हिस्से का प्रकाश पैदा करने का प्रयास नहीं छोड़ना चाहिए।

चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने और रावण पर विजय प्राप्त कर राम जब अयोध्या पहुंचे तो नगरवासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया। इस घटना का महत्व केवल इसलिए नहीं है कि एक मर्यादावान व जनप्रिय राजकुमार अपने राज्य में लौटा था। महत्वपूर्ण यह है कि उनके साथ उस आदर्श की वापसी हुई थी जिसमें सत्ता से ऊपर मर्यादा, बल से ऊपर न्याय और व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर लोकहित था। राम की विजय का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होता है जब समाज में कमजोर सुरक्षित हों, शासक उत्तरदायी हों और न्याय किसी की कृपा का मोहताज न हो। इस दृष्टि से दीपावली आज भी रामराज्य के आदर्शों को परखने का अवसर देती है।

श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की कथा भी दीपोत्सव की परंपरा से जुड़ी है। इस आख्यान में एक अत्याचारी के अंत के साथ भय और उत्पीड़न से मुक्ति का भाव निहित है। जैन परंपरा में भगवान महावीर के निर्वाण का संबंध दीपावली से है। वहां दीप का अर्थ आत्मज्ञान और मुक्ति की अनुभूति है। इन कथाओं को एक साथ देखें तो स्पष्ट होता है कि दीपावली किसी एक धार्मिक प्रसंग तक सीमित नहीं है। यह अन्याय से मुक्ति, आत्मिक जागरण और जीवन में शुभता की स्थापना का व्यापक उत्सव है।

दीपावली के धार्मिक अनुष्ठानों में लक्ष्मी और गणेश का संयुक्त पूजन विशेष अर्थ रखता है। समुद्र मंथन से माता लक्ष्मी के प्रकट होने की पौराणिक कथा समृद्धि की प्राप्ति का प्रतीक है। लक्ष्मी को धन और ऐश्वर्य की देवी कहा गया है, लेकिन समृद्धि की आध्यात्मिक अवधारणा केवल धन के संचय से पूरी नहीं होती। स्वस्थ शरीर, संतुष्ट मन, परिवार में प्रेम, आजीविका के साधन और दूसरों के प्रति उदारता भी जीवन की संपदा हैं। जिस व्यक्ति के पास अकूत धन है, लेकिन चैन की नींद नहीं, संबंधों में विश्वास नहीं और किसी जरूरतमंद के लिए संवेदना नहीं, क्या उसे वास्तव में समृद्ध कहा जा सकता है?

दीपावली पूजन में लक्ष्मी के साथ गणेश की उपस्थिति इंगित करती है कि गणेश बुद्धि, विवेक और शुभारंभ के प्रतीक हैं। लक्ष्मी संसाधन उपलब्ध कराती हैं तो गणेश उन संसाधनों के सही इस्तेमाल की प्रेरणा देते हैं। धन कमाने की क्षमता महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे किस उद्देश्य के लिए और किस तरीके से अर्जित किया गया है यह भी महत्वपूर्ण है। बुद्धि से रहित संपन्नता अहंकार पैदा कर सकती है और विवेक से जुड़ी संपन्नता समाज के लिए अवसरों का निर्माण कर सकती है। इसीलिए लक्ष्मी-गणेश का पूजन केवल धन प्राप्ति की कामना नहीं, बल्कि धन और सद्बुद्धि के संतुलन का आध्यात्मिक संदेश भी है।

दीपावली का सबसे जीवंत प्रतीक है मिट्टी का दीपक। मिट्टी, तेल, बाती और अग्नि के मेल से तैयार यह छोटा-सा प्रकाश स्रोत हमें बहुत कुछ सिखाता है। वह अपनी मिट्टी से अलग नहीं होता, सीमित साधनों में अपना काम करता है और आसपास के अंधकार को दूर करने में वैसा ही योगदान देता है जैसा राम सेतु बनाने में गिलहरी का योगदान था। उसकी लौ का आकार छोटा हो सकता है, लेकिन उसके उद्देश्य की सार्थकता छोटी नहीं होती। मनुष्य भी अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी दूसरे के जीवन में प्रकाश पहुंचा सकता है।

बोध कथा

कोयला और चंदन

हकीम लुकमान का पूरा जीवन जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित था। जब उनका अंतिम समय नजदीक आया तो उन्होंने अपने बेटे को बुलाया और कहा- बेटा, मैंने अपना सारा जीवन दुनिया को शिक्षा देने में गुजार दिया। अब अपने अंतिम समय में मैं तुम्हें कुछ जरूरी बातें बताना चाहता हूं। तुम एक कोयला और चंदन का एक टुकड़ा उठा लाओ।

बेटे को पहले तो यह अटपटा लगा लेकिन उसने सोचा कि जब पिता का हुक्म है तो यह सब लाना ही होगा। उसने रसोई घर से कोयले का एक टुकड़ा उठाया। संयोग से घर में चंदन की एक छोटी लकड़ी भी मिल गई। वह दोनों लेकर अपने पिता के पास गया।

लुकमान बोले- अब इन दोनों चीजों को नीचे फेंक दो। बेटे ने दोनों चीजें नीचे फेंक दी और हाथ धोने जाने लगा तो लुकमान बोले- ठहरो बेटा, जरा अपने हाथ तो दिखाओ। फिर वह उसका कोयले वाला हाथ पकड़कर बोले-बेटा, देखा तुमने। कोयला पकड़ते ही हाथ काला हो गया। लेकिन उसे फेंक देने के बाद भी तुम्हारे हाथ में कालिख लगी रह गई। गलत लोगों की संगति इसी तरह होती है। उनके साथ रहने पर भी दुख होता है और उनके न रहने पर भी जीवन भर के लिए बदनामी साथ लग जाती है।

दूसरी ओर सज्जनों का संग इस चंदन की लड़की की तरह है जो साथ रहते हैं तो दुनिया भर का ज्ञान मिलता है और उनका साथ छूटने पर भी उनके विचारों की महक जीवन भर साथ रहती है। इसलिए हमेशा अच्छे लोगों की संगति में ही रहना। तुम्हारा जीवन सुखद रहेगा।

कविता

दिवाली आने को है..



आशीष मिश्र

अँधेरा पिघलने को है,
रोशनी होने को है
दीपक सजने को है,
दिवाली आने को है

दीपक बदलने को है,
नया बनने को है
पुराना फिकने को है,
मिट्टी होने को है

घर चमकने को है,
फूल सजने को है
काला हटने को है,
रंगीन होने को है

धनतेरस सुनार को है,
कौन कुम्हार को है
दीपक और कलश -
बोल कितने को है

अवध बिहारी को है,
स्वागत तैयारी को है
लक्ष्मी दिवाली को है,
दिवाली आने को है।

व्यंग्य केसरी

फिर लुभाने आ गए...



क्षमा त्रिपाठी

बार-बार छली जाने वाली जनता को फिर सियासी लुटेरे लुभाने, भरमाने, रणभेरी बजा कर साम, दाम दंड भेद के साथ जुगत लगाने कुछ चालाक लोग आ गए. एक ने दूसरे से पूछा,

क्यों बंधु,क्या चुनावी दिन आ रहे हैं?

रूठे,दुत्कारे भी दरबार में फुसलाए गए,रंगे सियार भी शांति न्याय पाठ सिखा रहे हैं । लाल पीला गमछा लपेटे, कमलमुख लिए ,मदमस्त हाथी भी साइकिल से कदमताल कर रहे हैं.

हमने राह चलते एक आदमी से पूछा

क्या चुनावी दिन आ रहे हैं

लतियाये,गरियाएं लोलुप सांप नेवले सब एक हो गए हैं । कातिलों में ही ढूंढे मुहाफिज, कैसे ये लोग सोच रहे! दुखीराम ने श्याम लाल से पूछा :

क्या चुनावी दिन आ रहे?

दलबदल पैतंरो को गद्दी तक रोक के, स्वजनशक्ति शुचिता का दर्पण क्यों ना उन्हें भी दिखलाया जाए ।

सदा राजा को क्यों दोषी करार दे कर कोसे? हम भी तो सहभागी कम नहीं! जन-जन के हिय में अब यही सवाल गूंज रहे :

क्या चुनावी दिन आ रहे?

रंगीन जाल और बहेलिया देख कर चिड़िया 4डु कहें कि जनता सहमी घबराई. सब सोच रही कि इधर खाई, उधर कुआ...तो लोकतंत्र में पतवार किसे सौंप दे? प्रजातंत्र के यज्ञ में कर्तव्य की आहट में कहीं भूल न हो ,फिर पछताए होए क्या, चक्रव्यूह में सभी पिस रहे हैं. आपस में एक दूसरे से बतियाते हुए पूछ रहे हैं:

क्या चुनावी दिन आ रहे?

विदूषक, चाटुकारिता से मुक्त हो स्वतंत्र कलम के निडर प्रहरी बनने की कोशिश में हैं कुछ लोग.सत्य न्याय की कुछ तो लाज रहे. घबराई आंखों से जन-जन राजा से यही सवाल पूछ रहे हैं कि

क्या चुनावी दिन आ रहे या आ गए?

लोकलुभावन वादे लेकिन भीतर ही भीतर खतरनाक इरादे लेकर मरियल सी हो गई जनता को बाहुबली बनाने का वादा करके चालक चेहरे इधर-उधर मंडरा रहे हैं.

लगता है,चुनाव के दिन नजदीक आ रहे हैं..

कानपुर

इतिहास

5 नवंबर का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है:

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1556 (पानीपत का द्वितीय युद्ध): मुगल शासक अकबर की सेना ने हेमू (हेमचंद्र विक्रमादित्य) को हराया था।

1605 (गनपाउडर प्लॉट): इंग्लैंड में राजा जेम्स प्रथम को संसद भवन को उड़ाने की एक बड़ी साजिश का पता चला था।

1872 (महिला मताधिकार): अमेरिकी अधिकार कार्यकर्ता सुसन बी. एंथनी ने बिना अनुमति के राष्ट्रपति चुनाव में वोट डाला, जिसके लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया।

1920: भारत में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की स्थापना हुई।

1930: अमेरिकी साहित्यकार सिन्क्लेयर लेविस को उनकी कृति 'बाबित्त' के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला।

शिवरीनारायण में स्कूल बसों पर यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग की संयुक्त चेकिंग कार्रवाई

एक स्कूल बस जब्त, दो बसों पर 7,000 रुपए का जुर्माना

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं स्कूल बसों का सुरक्षित संचालन कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार के नेतृत्व में परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा शिवरीनारायण क्षेत्र में स्कूल बसों की जांच की गई। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर एक स्कूल बस को जब्त किया गया तथा दो बसों के विरुद्ध कुल 7,000 रुपएकी चालानी कार्रवाई की गई।

स्कूल बसों के सुरक्षा मानकों की हुई जांच

संयुक्त टीम द्वारा शिशु मंदिर एवं ट्रिनिटी कॉन्वेंट स्कूल की बसों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप बसों के फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट, प्रदूषण प्रमाण-पत्र,



सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की गई। जांच में अनियमितताएं पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

कमियां दूर करने के लिए 7 दिन का अल्टीमेटम

जांच के दौरान अन्य स्कूल बसों में पाई गई छोटी-मोटी कमियों को दूर करने के लिए संबंधित स्कूल प्रबंधन एवं वाहन संचालकों को सात दिवस के भीतर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही बस चालकों को निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने तथा बच्चों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए विशेष सतर्कता बरतने की हिदायत दी गई।

स्कूल प्रबंधन को भी दिए गए निर्देश

पुलिस एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने स्कूल प्रबंधन को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों के परिवहन में उपयोग होने वाले सभी वाहनों में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित वाहन संचालकों एवं जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उक्त जांच अभियान के दौरान क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (RTO) विवेक सिन्हा एवं निरीक्षक रामकुमार जैन यातायात उपस्थित रहे। जांजगीर-चांपा पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्कूल बसों में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अकलतरा में नए सीएमओ का स्वागत

अकलतरा। नगर पालिका परिषद अकलतरा में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में नवनियुक्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी राधा चरण तिवारी का आत्मीय स्वागत तथा निवर्तमान मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय सिंह का भावपूर्ण विदाई समारोह संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका परिषद के समस्त पार्षदगणों द्वारा नवनियुक्त अधिकारी राधा चरण तिवारी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत व अभिनंदन के साथ किया गया। इस अवसर पर पार्षदों ने उनके उज्जवल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

वहीं, निवर्तमान अधिकारी संजय सिंह द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान नगर विकास के लिए किए गए सराहनीय कार्यों के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए श्रीफल, शॉल भेंट कर सम्मान सहित विदाई दी गई। इस अवसर पर नवनियुक्त अधिकारी राधा चरण तिवारी ने कहा कि नगर के सर्वांगीण विकास, स्वच्छता और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा और सभी पार्षदों व कर्मचारियों के सहयोग से अकलतरा को एक आदर्श नगर पालिका बनाने का प्रयास किया जाएगा।

केवरी में दर्दनाक हादसा: कुएं में गिरने से गर्भवती महिला और गर्भस्थ शिशु की मौत

विश्व केसरी■



लखनपुर (रिक्की)। सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम केवरी में बुधवार शाम एक हृदयविदारक हादसा सामने आया। नहाने के दौरान कुएं में गिरने से आठ माह की गर्भवती महिला की मौत हो गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद महिला के साथ उसके गर्भस्थ शिशु को भी मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान लक्ष्मनिया पति राम दयाल (30 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बुधवार शाम करीब 4 बजे महिला घर के पास नहाने के दौरान अचानक कुएं में गिर गई। घटना के समय उसके साथ मौजूद करीब दो वर्षीय बच्चे ने शोर मचाया। बच्चे की आवाज सुनकर आसपास खेतों में धान की कटाई कर रहे ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे।

ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए कुएं से महिला को बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, तमाम प्रयासों के बावजूद शाम करीब 5:30 बजे डॉक्टरों ने महिला और उसके गर्भस्थ शिशु को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर लखनपुर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। फिलहाल हादसे के कारणों सहित अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। एक ही हादसे में मां और गर्भस्थ शिशु की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

न्यायालय ने निरस्त की तीन कर्मचारियों की बर्खास्तगी

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। प्राथमिक कृषि साख समिति मर्यादित पोंडी दलहा क्रमांक 504 में तीन कर्मचारियों की बर्खास्तगी का मामला अब नया मोड़ ले चुका है। न्यायालय उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं जांजगीर-चांपा ने समिति के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा की गई बर्खास्तगी की कार्रवाई को निरस्त करते हुए तीनों कर्मचारियों की सेवा बहाल करने का आदेश जारी किया है। न्यायालय के इस फैसले से लंबे समय से अपनी सेवा बहाली की मांग कर रहे कर्मचारियों को राहत मिली है। इस संबंध् में प्राप्त जानकारी के अनुसार अकलतरा विकासखंड के ग्राम पंचायत पोंडी दलहा में संचालित प्राथमिक कृषि साख समिति का चुनाव किसानों के बीच नहीं कराया गया है, बल्कि शासन स्तर से प्राधिकृत अधिकारी की नियुक्ति कर संस्था के कामकाज का संचालन कराया जा रहा है।

पंडित राम गिरी गोस्वामी श्री सिद्ध हनुमान मंदिर की 181वीं महाआरती में हुए शामिल

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। श्री सिद्ध हनुमान मंदिर में आयोजित 181वीं महाआरती श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई। इस गरिमामयी आयोजन में अतिथि के रूप में पंडित राम गिरी गोस्वामी (कांदानारा) शामिल हुए। उन्होंने मंदिर परिवार के इस सेवा कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि इस भव्य महाआरती का हिस्सा बनना उनके लिए परम सौभाग्य की बात है, जिसके लिए वे हनुमान लला के चरणों में साधुवाद व्यक्त करता हूं।

इस अवसर पर उच्च न्यायालय अधिवक्ता चितरंजय पटेल ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यह महाआरती न केवल धर्म और अध्यात्म का संदेश दे रही है, बल्कि समाज में महाआरती सनातन धर्म सशक्तिकरण की दिशा में महती पहल है।

महाआरती के पावन अवसर पर मंदिर के मुख्य पुजारी ओमप्रकाश वैष्णव ने हनुमान लला का अत्यंत मनमोहक व दिव्य श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजन-आरती संपन्न कराई। जिसमें सुबह का श्रृंगार सहस अग्रवाल तथा शाम का श्रृंगार गुरुदेव यादव के सौजन्य से कराया गया। सिंदूर अभिषेक रामगोपाल देवांगन सावित्री यादव, लीना विकास बरेठ, नितिन अन्नपूर्णा, प्रत्यूषा, पद्माक्ष सोनी, प्रियल देवांगन के द्वारा सामूहिक रूप से संपन्न किया गया। धार्मिक अनुष्ठान के अंतर्गत गीतेश पांडे, आदित्य अग्रवाल, सौरभ गर्ग, गीतेश पांडे , आदित्य अग्रवाल, एकांश बरेठ, प्रियल देवांगन के द्वारा सुंदरकांड का पाठ कराया गया।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर 'धुन म्यूजिकल ग्रुप' द्वारा रंगारंग संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के पावन अवसर पर स्थानीय अतिथि ढाबा, सक्ति में 'धुन म्यूजिकल ग्रुप' के तत्वावधान में एक भव्य संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सक्ति के स्थानीय कलाकारों और संगीत प्रेमियों के साथ-साथ दूरस्थ अंचल के कलाकारों ने भी बढ़-चढ़कर अपनी प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम की रूपरेखा और सफल आयोजन 'धुन म्यूजिकल ग्रुप' के अध्यक्ष सीताराम चौहान के मार्गदर्शन में तैयार किया गया था। उद्घाटन उद्बोधन में लक्ष्मी नारायण चौहान ने अपनी दमदार आवाज और लंबे अनुभव के जरिए दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।

यह कार्यक्रम सक्ति अंचल के वरिष्ठ गायक कलाकार गुरुप्रसाद जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इसके साथ ही, अंचल के ख्यातिप्राप्त कलाकार विक्रम सिंह राजपूत ने विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

माटी की खुशबू बिखेरते गीत: - कार्यक्रम के दौरान हिंदी सुगम संगीत के साथ-साथ छत्तीसगढ़ी गीतों के बेहतरीन समन्वय ने दर्शकों का मन मोह लिया और छत्तीसगढ़ की माटी की सोंधी खुशबू बिखेर दी। आयोजकों ने बताया कि 'धुन म्यूजिकल ग्रुप' द्वारा इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन समय-समय पर किया जाता है। इस समूह का मुख्य उद्देश्य नए कलाकारों को मंच प्रदान करना, उनकी छिपी हुई प्रतिभा को सामने लाना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना है।

इनका रहा विशेष सहयोग: इस सफल आयोजन को मूर्त रूप देने में अजय कटकवार, रचना कटकवार, सावित्री महंत, एवं चन्द्र कुमार नामदेव, खुशी चौहान, विनोद सारथी, सलीम खान, दीनदयाल चौहान, गुरुमूर्ती राव, दीपिका चौहान, भरत दास महंत, नरेश कसेर, केशव दास बघेल, डीपी कैवर्त्य, विष्णु कनसारी, देवेंद्र चौहान सहित अन्य साथी कलाकारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एड्स नियंत्रण में सरगुजा की राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि



विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एचआईवी, एड्स नियंत्रण के क्षेत्र में सरगुजा जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले ने लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित श्रेणी में स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही सरगुजा छत्तीसगढ़ का पहला जिला बन गया है, जिसने मॉडरेट श्रेणी में सुरक्षित स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि जिले द्वारा एचआईवी/एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के निर्धारित तीनों 95-95-95 लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करने के परिणामस्वरूप हासिल हुई है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम द्वारा सरगुजा जिले को सुरक्षित श्रेणी में नामांकित करते हुए प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। यह प्रमाण-पत्र कृषि एवं अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री रामविचार नेताम के द्वारा जिलाधीश, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा नोडल अधिकारी को प्रदान किया गया।

वेदांता पावर ने राज्योत्सव में दिखाई ग्रामीण महिला उद्यमिता की झलक

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। वेदांता पावर सक्ती थर्मल पावर प्लांट ने 2 नवंबर को जिला प्रशासन, सक्ती द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 में भाग लिया। इस अवसर पर कंपनी ने महिला सशक्तीकरण, ग्रामीण उद्यमिता और स्थानीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर केंद्रित अपनी सामुदायिक विकास पहलों का प्रदर्शन किया।

विशेष प्रदर्शनी के माध्यम से कंपनी ने 'प्रोजेक्ट सखी' के तहत तैयार उत्पादों और गतिविधियों को प्रस्तुत किया। वेदांत पावर की यह पहल दर्शाती है कि किस प्रकार कौशल विकास और आजीविका के अवसर ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने और आय के स्थायी साधन विकसित करने में मदद कर रहे हैं।

प्रदर्शनी में प्रोजेक्ट सखी के तहत प्रशिक्षित ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किए गए हस्तनिर्मित उत्पादों की आकर्षक श्रृंखला प्रस्तुत की गई। इनमें भित्ति कला, जूट बैग, हाथ से रंगे दीये, प्राकृतिक सामग्री से बने साबुन और मोमबत्तियां शामिल थीं।

इन उत्पादों के माध्यम से महिलाओं के हुनर, रचनात्मकता और उद्यमशीलता को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में बस्तर की कला और पारंपरिक टैटू कला से प्रेरित विशेष प्रस्तुति के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी दर्शाया गया। वहीं, मशरूम की खेती के प्रदर्शन के जरिए किसानों को इसकी तकनीक और अतिरिक्त आय के एक संभावित साधन के रूप में इसकी उपयोगिता से परिचित कराया गया।

स्टॉल में वेदांता पावर के विद्युत संयंत्र का एक मॉडल भी प्रदर्शित किया गया, जिसके माध्यम से आगंतुकों को बिजली उत्पादन की प्रक्रिया और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में कोयला आधारित विद्युत उत्पादन की भूमिका को समझने का अवसर मिला। स्टॉल का उद्घाटन माननीय राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने किया। वे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

वेदांता पावर लिमिटेड के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक राजिंदर सिंह आहूजा ने कहा, 'वेदांता पावर में हमारा मानना है कि विकास तभी सार्थक है, जब उसकी प्रगति का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध संस्कृति, प्रतिभाशाली लोगों और विकास की अपार संभावनाओं के लिए जाना जाता है। राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की इस पहचान, यहां के लोगों की उपलब्धियों और विकास की यात्रा का उत्सव है।

अर्पणा दीक्षित बनीं रक्षा गौधाम फाउंडेशन की जिलाध्यक्ष

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। समाजसेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों को जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने की दिशा में रक्षा गौधाम फाउंडेशन ने संगठनात्मक विस्तार की पहल की है। इसी क्रम में बलरामपुर जिले के पिंडरा निवासी अर्पणा दीक्षित को रक्षा गौधाम फाउंडेशन का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संस्था की ओर से 3 नवंबर 2026 को जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अर्पणा दीक्षित की नियुक्ति को जिले में सामाजिक गतिविधियों के विस्तार और जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। संस्था ने उनके समाजसेवा के प्रति समर्पण, रुचि और जनकल्याणकारी कार्यों में योगदान देने की भावना को ध्यान में रखते हुए यह दायित्व सौंपा है। नियुक्ति के अनुसार जिलाध्यक्ष के रूप में अर्पणा दीक्षित जिले में संस्था की सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का संचालन और विस्तार करेंगी। उनकी जिम्मेदारी जरूरतमंद परिवारों, गरीब बच्चों, महिलाओं एवं असहाय व्यक्तियों की सहायता के लिए कार्यक्रम आयोजित करने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और पशु कल्याण से जुड़े कार्यों को प्रोत्साहित करना भी होगा।

'बिहान से जुड़कर लखपति दीदी बनीं संगीता पैकरा ईंट निर्माण से बदली परिवार की आर्थिक तस्वीर'

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए संचालित आजीविकामूलक गतिविधियां ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर महिलाएं स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त कर रही हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कटकोना की संगीता पैकरा ने ईंट निर्माण का व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है।



'एक लाख रुपये के ऋण से शुरू किया व्यवसाय, बनाई एक लाख ईंटें' - संगीता पैकरा प्रतिज्ञा महिला स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष होने के साथ ही शंकरपाट आजीविका ग्राम संगठन की भी अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। ग्राम संगठन से एक लाख रुपये का ऋण लेकर उन्होंने ईंट निर्माण का कार्य शुरू किया। इसके तहत उन्होंने लगभग एक लाख ईंटों का निर्माण कराया, जिससे उन्हें डेढ़ से दो लाख रुपये की कमाई हुई। इस आय का उपयोग वे ऋण चुकाने, घरेलू जरूरतों को पूरा करने और बच्चों की पढ़ाई में कर रही हैं।

'बेटियों की उच्च शिक्षा को दे रहीं प्राथमिकता'

संगीता बताती हैं कि उनके पति खदान में निजी मजदूरी करते हैं। पहले परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी और सीमित आय में घर चलाना चुनौतीपूर्ण था। लेकिन स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनकी परिस्थितियां बदलने लगीं। स्वरोजगार से प्राप्त आय के जरिए वे बच्चों को बेहतर शिक्षा दिला पा रही हैं। उनकी बड़ी बेटी बैकुंठपुर में नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है, जबकि छोटी बेटी अम्बिकापुर में आईटीआई का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। वहीं बेटा दसवीं कक्षा में अध्ययनरत है। संगीता का कहना है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

चिरमिरी पुलिस की बड़ी कार्यवाही चुनमुन कबाड़ी को भेजा गया जेल

विश्व केसरी■



चिरमिरी (राजेश उपाध्याय)। चिरमिरी न्यायालय परिसर में लगे एयर कंडीशनर के आउटर यूनिट से कीमती कॉपर वायर चोरी करने के सनसनीखेज मामले में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। मुख्य चोरों को पहले ही सलाखों के पीछे भेजने के बाद पुलिस ने अब चोरी का माल खरीदने वाले फरार आरोपी को भी धर दबोचा है। पकड़ा गया आरोपी मनेंद्रगढ़ निवासी चुनमुन है, जिसे चिरमिरी पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार किया और आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश कर दिया।

घटना के अनुसार कुछ समय पूर्व अज्ञात शातिर चोरों ने चिरमिरी न्यायालय परिसर जैसे संवेदनशील और सुरक्षित क्षेत्र को निशाना बनाते हुए वहाँ लगे एसी के आउटर यूनिट्स से कॉपर वायर निकालकर चोरी कर लिया था। इस चोरी से सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुँचा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए चिरमिरी पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की थी और त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपियों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस की कड़ी पूछताछ में पकड़े गए मुख्य आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल करते हुए खुलासा किया था कि उन्होंने न्यायालय परिसर से चुराया गया कॉपर वायर मनेंद्रगढ़ निवासी चुनमुन को बेचा था। इस खुलासे के बाद से ही खरीदार चुनमुन पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा था।

शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन तेजी, निफ्टी 24 हजार के करीब

विश्व केसरी■

मुंबई। कच्चे तेल में गिरावट से भारतीय शेयर बाजार बुधवार को लगातार पांचवें सत्र में बढ़त के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 383.55 अंक या 0.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,301.40 और निफ्टी 149.75 अंक या 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,960.60 पर बंद हुआ।

बाजार में व्यापक स्तर पर खरीदारी देखी गई। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप भी बढ़त के साथ बंद हुए। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 909.25 अंक या 1.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,505.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 373.55 अंक या 2.00 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,026.40 पर बंद हुआ।

सूचकांकों में निफ्टी मीडिया 5.15 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 2.85 प्रतिशत और निफ्टी मेटल 2.80 प्रतिशत टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी इंडिया डिफेंस 2.49 प्रतिशत, निफ्टी एनर्जी 2.17 प्रतिशत, निफ्टी



कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.04 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज 1.65 प्रतिशत और निफ्टी ऑयल एंड गैस 1.54 प्रतिशत की तेजी के साथ सबसे ज्यादा बढ़ने वाले सूचकांक थे।

सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 1.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में बीईएल, टाइटन, इंडिगो, बजाज फाइनेंस,आईटीसी, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, सन फार्मा, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल गेनर्स थे। टीसीएस, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, इटरनल, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, एलएंडटी और एचयूएल लूजर्स थे। जानकारों ने कहा कि दलाल स्ट्रीट पर 'दिवाली की आतिशबाजी' जारी है, जहां रिस्क लेने की क्षमता बढ़ने के साथ मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। अमेरिका के मध्यावधि चुनावों के नतीजों से वैश्विक धारणा में सुधार हुआ है। इससे व्यापार और टैरिफ नीतियों को लेकर अधिक संतुलित रुख अपनाने की उम्मीदें जगी हैं, जिससे उभरते बाजारों में एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशकों) का निवेश बढ़ सकता है। उन्होंने आगे कहा कि घरेलू स्तर पर, आगामी केंद्रीय बजट में टैक्स में राहत मिलने की उम्मीद, उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजे और त्योहारी सीजन में मजबूत खपत ने इस तेजी को और बढ़ावा दिया। बेहतर कमाई की संभावनाओं और मजबूत घरेलू मांग के चलते निकट भविष्य में बाजार का रुख सकारात्मक रहने की उम्मीद है।

100 प्रतिशत बायोएथेनॉल से चलने वाली टोयोटा इनोवा 26 नवंबर को होगी लॉन्च

पेट्रोल के मुकाबले 25-30 रुपए आएगा खर्चः नितिन गडकरी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि भारत तेजी से हरित और स्वच्छ परिवहन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'पावरिंग द नेक्स्ट माइल' कॉन्क्लेव में बोलते हुए उन्होंने घोषणा की कि 26 नवंबर को टोयोटा की इनोवा का 100 प्रतिशत बायोएथेनॉल-आधारित मॉडल लॉन्च किया जाएगा, जो पेट्रोल के बजाय पूरी तरह एथेनॉल पर चलेगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वर्तमान में एथेनॉल की कीमत करीब 75 रुपए प्रति लीटर है, जबकि पेट्रोल करीब 120 रुपए प्रति लीटर का है। उन्होंने बताया कि यह वाहन चलते समय अपनी लगभग 60 प्रतिशत शक्ति बिजली से उत्पन्न करेगा। ऐसे में औसत परिचालन लागत की गणना करें तो इसका खर्च पेट्रोल की तुलना में लगभग 25 से 30 रुपए प्रति लीटर



के बराबर होगा।

गडकरी ने कहा, 'इसी महीने 26 नवंबर को मैं टोयोटा की चार पहिया वाहन इनोवा लॉन्च करने जा रहा हूं, जो पेट्रोल की जगह पूरी तरह से 100 प्रतिशत बायोएथेनॉल पर चलेगी। एथेनॉल की कीमत 75 रुपए प्रति लीटर है, जबकि पेट्रोल की कीमत 120 रुपए प्रति लीटर है। यह वाहन चलते समय अपनी 60 प्रतिशत ऊर्जा बिजली से उत्पन्न करेगा। इसलिए, पेट्रोल की तुलना में औसत आधार पर गणना करने पर, प्रभावी लागत 25-30 रुपए प्रति लीटर के बराबर होगी।'

उन्होंने कहा कि इससे उपभोक्ताओं को ईंधन खर्च में बड़ी बचत होगी और साथ ही प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हरित, सुरक्षित और समावेशी तकनीक देश और आम लोगों दोनों के लिए लाभकारी साबित होगी।

नितिन गडकरी ने आगे बताया कि उन्हें बजाज और टीवीएस के पहले इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को लॉन्च करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि शुरुआती इलेक्ट्रिक स्कूटरों की रेंज लगभग 125 किलोमीटर थी, लेकिन बाद में कई स्टार्टअप कंपनियों ने लागत कम करने के लिए बैटरी क्षमता घटा दी और 70 किलोमीटर रेंज वाले वाहन 70,000 से 72,000 रुपए की कीमत पर बाजार में उतारे।

उन्होंने कहा कि उस समय कंपनियों का मानना था कि कम कीमत वाले वाहन बिक्री बढ़ाने में मदद करेंगे।

आरबीआई ने वित्तीय बाजारों पर नई कमेटी टीसीसीएफएम का किया गठन, पक्षकारों से संवाद होगा आसान

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को बाजार पक्षकारों से संवाद को आसान बनाने क लिए टेक्निकल कंसल्टेटिव कमेटी फॉर फाइनेंशियल मार्केट (टीसीसीएफएम) का गठन किया है। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर रोहित जैन करेंगे।

आरबीआई के बयान के अनुसार, यह समिति भारतीय रिजर्व बैंक के लिए एक मंच का काम करेगी, जहां वह मनी मार्केट, सरकारी प्रतिभूतियों, विदेशी मुद्रा बाजारों और इनसे जुड़े डेरिवेटिव बाजारों एवं बुनियादी ढांचे से संबंधित नीतिगत और परिचालन मामलों पर बाजार के प्रतिभागियों और पक्षकारों के साथ व्यवस्थित रूप से बातचीत कर सकेगी।

जैन के अलावा, इस समिति में सात बाहरी सदस्य होंगे जो बैंकों, बाजार संघों, क्लियरिंग संस्थानों और वित्तीय सेवा कंपनियों का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह समिति हर तिमाही में कम से कम एक बार बैठक करेगी।

इन बाहरी सदस्यों में भारतीय



प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्व पूर्णकालिक सदस्य और आईआईटी बॉम्बे में 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' अनंत नारायण, फिक्स्ड इनकम मनी मार्केट एंड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफआईएमएमडीए) के चेयरमैन और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के उप प्रबंध निदेशक शमशेर सिंह और एक्सिस बैंक के कार्यकारी निदेशक नीरज गंभीर शामिल हैं।

अन्य सदस्यों में आईसीआईसीआई बैंक के ट्रेजरी और इकोनॉमिक रिसर्च प्रमुख शैलेंद्र झिंगन, सिटी इंडिया के प्रबंध निदेशक और बाजार प्रमुख आदित्य बागरी, क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नंद किशोर और मॉर्गन स्टेनली इंडिया के प्रबंध निदेशक रिधम देसाई शामिल हैं।

कमेटी के कार्यक्षेत्र में मनी मार्केट, सरकारी प्रतिभूतियों, विदेशी मुद्रा और इनसे जुड़े डेरिवेटिव बाजारों के कामकाज, कार्यकुशलता, तरलता और लचीलेपन से जुड़े मुद्दों की जांच करना शामिल है। यह इन बाजारों को और अधिक गहरा और व्यापक बनाने के उपायों की भी पहचान करेगी।

यह पैनल वित्तीय बाजारों को प्रभावित करने वाले उभरते नीतिगत और परिचालन संबंधी मुद्दों की जांच करेगा, जिसमें आरबीआई के उपायों को लागू करना और बाजार में आने वाली अनपेक्षित बाधाओं की पहचान करना शामिल है। इसके कार्यक्षेत्र में ट्रेडिंग, क्लियरिंग, सेटलमेंट, रिपोर्टिंग और अन्य बाजार अवसंरचनाओं से जुड़े विषय एवं इनसे संबंधित विनियामक और परिचालन ढांचों पर विचार करना शामिल है। इसके अलावा, समिति अंतरराष्ट्रीय और घरेलू घटनाक्रमों, वित्तीय नवाचारों और उभरते उन जोखिमों पर चर्चा करेगी, जिनका भारतीय वित्तीय बाजारों पर असर पड़ सकता है। आरबीआई बाजार से जुड़े कुछ खास मुद्दों या व्यापक आर्थिक पहलुओं को भी जांच के लिए इस समिति के पास भेज सकता है।

भारत का प्राइवेट क्रेडिट एयूएम 2030 तक तीन गुना बढ़कर 65 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीदः रिपोर्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत पर केंद्रित प्राइवेट क्रेडिट के तहत एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 2030 तक बढ़कर 56-65 अरब डॉलर होने का अनुमान है, जो कैलेंडर वर्ष 2025 में 21.8 अरब डॉलर पर था। यह लगभग तीन गुना वृद्धि और करीब 21-24 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) को दर्शाता है। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का प्राइवेट क्रेडिट बाजार अभी विकास के शुरुआती चरण में है। देश की जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी महज 0.6 प्रतिशत है, जबकि अमेरिका में यह 4.4 प्रतिशत और ब्रिटेन में 8.4 प्रतिशत है। इससे इस क्षेत्र में लंबी अवधि में विकास की व्यापक संभावनाएं दिखाई देती हैं।

भारत का क्रेडिट-टू-जीडीपी अनुपात, जो आमतौर पर 90 प्रतिशत से 102 प्रतिशत के बीच रहता है, 2022 में घटकर 88.3 प्रतिशत रह गया था। इसके



बाद यह 2023 में बढ़कर 93.8 प्रतिशत, 2024 में 95.3 प्रतिशत और 2025 में 102.3 प्रतिशत हो गया। इसके मुकाबले अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं में क्रेडिट-टू-जीडीपी अनुपात 140 प्रतिशत से 200 प्रतिशत के बीच बना हुआ है। प्राइवेट क्रेडिट उन मध्यम आकार की कंपनियों, विकास के चरण में मौजूद कारोबारों और कम परिसंपत्तियों वाले व्यवसायों की वित्तपोषण जरूरतों को पूरा कर रहा है, जिन्हें पारंपरिक ऋणदाताओं से पर्याप्त मदद नहीं मिल पाती है। इस क्षेत्र की वृद्धि के प्रमुख कारणों में बैंकों के सख्त ऋण नियम, विशेष जरूरतों के अनुरूप वित्तपोषण समाधानों की बढ़ती मांग, कर्ज के पुनर्वित्तपोषण के बड़े अवसर और दिवाला एवं कर्ज वसूली व्यवस्था का मजबूत होना शामिल हैं। केयरएज एडवाइजरी की सीनियर डायरेक्टर तन्वी शाह ने कहा, 'लचीली पूंजी की बढ़ती कॉरपोरेट मांग के चलते भारत का प्राइवेट क्रेडिट बाजार 2030 तक 56-65 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

कीमती धातुओं में जोरदार उछाल, पलक झपकते ही सोना 3,000 रुपए और चांदी 6,900 रुपए तक चढ़ी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। लगातार कई दिनों तक दबाव में रहने के बाद बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी देखने को मिली। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव नतीजों, कमजोर डॉलर, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में नरमी और वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के चलते निवेशकों का रुझान एक बार फिर सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर बढ़ा, जिससे कीमती धातुओं में तेज खरीदारी देखने को मिली।

घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना एक ही दिन में 2.21 प्रतिशत यानी 3,088 रुपए चढ़कर 1,42,540 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। वहीं दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी में और अधिक तेजी देखने को मिली तथा इसका भाव 3.84 प्रतिशत यानी 6,902 रुपए बढ़कर 1,86,600 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गया।

वहीं खबर लिखे जाने तक, एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के साथ 1,42,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा, तो वहीं दिसंबर वायदा चांदी 3.71 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,86,373 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती नजर आई।

बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के कमजोर प्रदर्शन के बाद निवेशकों ने सुरक्षित निवेश की ओर रुख किया। चुनाव परिणामों के मुताबिक, डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बढ़त हासिल की,



जिसके बाद वैश्विक बाजारों में नई राजनीतिक संभावनाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई।

विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी नतीजों के बाद डॉलर में कमजोरी और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट ने सोने को अतिरिक्त समर्थन दिया। आमतौर पर कमजोर डॉलर और कम बॉन्ड यील्ड सोने जैसी गैर-ब्याज देने वाली संपत्तियों को आकर्षक बनाते हैं।

पिछले कारोबारी सत्र में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से महंगाई को लेकर चिंताएं कुछ कम हुई हैं, जिससे निवेशकों को उम्मीद जगी है कि केंद्रीय बैंकों के पास मौद्रिक नीति में कुछ लचीलापन दिखाने की गुंजाइश बन सकती है। सोना ऐसे वातावरण में बेहतर प्रदर्शन करता है।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कॉमेक्स में सोना 2.32 प्रतिशत चढ़कर 4,031.90 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती नजर आई, जबकि चांदी 4.10 प्रतिशत चढ़कर 51.795 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

बाजार की नजर अभी वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर भी बनी हुई है। रूस ने यूक्रेन और अमेरिका के साथ त्रिपक्षीय शांति वार्ता के लिए सहमति जताई है, जबकि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे माहौल में निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

तकनीकी विश्लेषण के मुताबिक, एमसीएक्स गोल्ड के लिए 1.41 लाख के आसपास पहला महत्वपूर्ण प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) है, इसके बाद अगला रेजिस्टेंस जोन 1,43,000 से 1,43,700 रुपए पर है। नीचे की तरफ 1,40,000 रुपए के स्तर पर तत्काल सपोर्ट बना हुआ है, जबकि अगला सपोर्ट बैंड 1,37,500 रुपए से 1,38,300 रुपए पर है।

एक्सपर्ट का कहना है कि रिकवरी के बावजूद, मोमेंटम इंडिकेटर्स अभी भी काफी कमजोर हैं। आरएसआई लगभग 35 के आसपास है, जबकि एमएसीडी हिस्टोग्राम नेगेटिव बना हुआ है और लगातार बढ़ रहा है। इससे पता चलता है कि तकनीकी संरचना में अभी तक सुधार के कोई ठोस संकेत नहीं दिखे हैं।

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 2030 तक 530 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा बाजार में तेजी से अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। देश की बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा क्षमता से ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हो रही है। साथ ही, आयातित ईंधन पर निर्भरता कम हो रही है। यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की ओर से जारी एक नई रिपोर्ट में दी गई।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट में जारी 'इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी मार्केट रिपोर्ट 2026' के अनुसार, पिछले एक दशक में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता लगभग चार गुना



बढ़ गई है और 2026 में यह 300 गीगावाट के आंकड़े को पार कर गई है। भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे तेजी से बढ़ता नवीकरणीय ऊर्जा बाजार और सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल का दूसरा सबसे बड़ा विनिर्माता बन गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने 2025 में गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से अपनी स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत हासिल करने का लक्ष्य पूरा कर लिया, जो निर्धारित समय से पांच साल पहले है। यह देश में स्वच्छ ऊर्जा बदलाव की तेज रफ्तार को दर्शाता है।

आईईए के अनुसार, नवीकरणीय बिजली के तेजी से विस्तार से पहले ही अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को बड़े फायदा हुआ है। नवीकरणीय ऊर्जा से बिजली उत्पादन के कारण भारत को 2011 से 2025 के बीच कोयले और प्राकृतिक गैस के आयात पर होने वाले खर्च में 100 अरब डॉलर से अधिक की बचत हुई।

भारत के सेवा क्षेत्र की रफ्तार अक्टूबर में 4 महीने के उच्चतम स्तर पर, मजबूत मांग से बढ़ी कारोबारी गतिविधियांः पीएमआई डेटा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। मजबूत मांग और नए ऑर्डरों में बढ़ोतरी के चलते भारत के सेवा क्षेत्र ने अक्टूबर में चार महीने की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की। एचएसबीसी के ताजा परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) आंकड़ों के अनुसार, सेवा क्षेत्र का पीएमआई सितंबर के 55.2 से बढ़कर अक्टूबर में 55.8 पर पहुंच गया। यह पिछले चार महीनों का सर्वोच्च स्तर है और सेवा क्षेत्र में लगातार मजबूत कारोबारी गतिविधियों का संकेत देता है।

सर्विसेज पीएमआई का स्तर 50 से ऊपर रहना आर्थिक गतिविधियों में विस्तार को दर्शाता है। अक्टूबर में यह न केवल 50 के तटस्थ स्तर से काफी ऊपर रहा, बल्कि इसके दीर्घकालिक औसत से भी बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया गया। सकारात्मक संकेत यह भी रहा कि इनपुट लागत मुद्रास्फीति अगस्त 2020 के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इसके साथ ही सेवा प्रदाताओं द्वारा



ग्राहकों से वसूले जाने वाले शुल्कों में वृद्धि की गति भी जून के बाद सबसे कमजोर रही।

सेवा और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों को मिलाकर तैयार किया जाने वाला समग्र पीएमआई (कंपोजिट पीएमआई) सितंबर के 55.9 से बढ़कर अक्टूबर में 56.2 पर पहुंच गया। यह पिछले चार महीनों में कुल आर्थिक उत्पादन में सबसे तेज बढ़ोतरी को दर्शाता है और देश में मजबूत कारोबारी गतिविधियों का संकेत देता है।

एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत का सेवा क्षेत्र पीएमआई अक्टूबर में बढ़कर 55.8 पर पहुंच गया, जो चार महीने का उच्चतम स्तर है। उन्होंने बताया कि कारोबारी परिस्थितियों में सतर्क सुधार देखने को मिला है। हालांकि कुल मांग मजबूत बनी रही, लेकिन निर्यात ऑर्डरों की वृद्धि दर फरवरी 2023 के बाद सबसे धीमी रही।

उन्होंने कहा कि इनपुट और आउटपुट दोनों कीमतों में बढ़ोतरी जारी रही, लेकिन इसकी गति सितंबर की तुलना में कम रही, जिससे मुद्रास्फीति के दबाव में कुछ राहत के संकेत मिले हैं। पीएमआई सर्वेक्षण के अनुसार, सेवा अर्थव्यवस्था के सभी चार प्रमुख क्षेत्रों में नए कारोबार और उत्पादन में तेज वृद्धि दर्ज की गई, जिनमें वित्त एवं बीमा क्षेत्र सबसे आगे रहा, जबकि रियल एस्टेट और बिजनेस सर्विसेज क्षेत्र अपेक्षाकृत पीछे रहा। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि अक्टूबर में बिक्री वृद्धि का मुख्य स्रोत घरेलू बाजार रहा। भारतीय उपभोक्ताओं और व्यवसायों से मिली मांग ने सेवा क्षेत्र के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

गोभी की सब्जी में फूल हो जाते हैं नरम और बिखरे हुए? नमक-हल्दी के पानी से तैयारी करें



गोभी की सूखी सब्जी में फूलों की बनावट बचाने के लिए शुरुआत की तैयारी पर ध्यान दें. गोभी को बराबर आकार में काटें और फूलों के बीच ध्यान से जांचकर साफ पानी से धोएं. जरूरत होने पर नमक के पानी में भिगोना कीडे निकालने में मदद कर सकता है. इसके बाद हल्दी वाले उबलते पानी में केवल हल्का पकाएं और तुरंत निथार लें. प्याज-टमाटर का मसाला पहले तैयार करने से गोभी को ज्यादा देर चलाना नहीं पडेगा. फूलों को हल्के हाथ से मिलाएं और जरूरत भर ही पकाएं. तैयार सब्जी हरे धनिए के साथ रोटी, पराठे या दाल-चावल में परोसें.

फूलगोभी की सूखी सब्जी रोटी, पराठे और दाल-चावल के साथ खूब पसंद की जाती है. लेकिन इसे बनाते समय दो परेशानियां अक्सर सामने आती हैं. पहली, फूलों के बीच छिपी मिट्टी या कीडों को साफ करना और दूसरी, पकाते समय गोभी को इतना नरम होने से बचाना कि वह टूटकर बिखर जाए. इन दोनों बातों के लिए शुरुआत की तैयारी पर ध्यान देना जरूरी है. गोभी को बराबर आकार के फूलों में काटें, ध्यान से जांचें और साफ पानी से धोएं. इसके बाद कुछ देर उबलते पानी में रखकर हल्का पकाया जा सकता है. इस प्रक्रिया को ब्लांच करना कहते हैं. हालांकि, नमक और हल्दी के पानी में डालने से सभी कीडे और गंदगी पूरी तरह खत्म हो जाएंगे, ऐसी गारंटी नहीं दी जा सकती. फूलों की जांच और सफाई फिर भी जरूरी है.

उषा की रसोई के नाम से साझा की गई इस रेसिपी से प्रेरित घरेलू तरीके में गोभी को हल्का पकाने के बाद सरसों के तेल, प्याज और टमाटर के साथ तैयार किया जाता है. सही आंच और हल्के हाथ से मिलाने पर फूलों की बनावट संभालना आसान होगा.

सामग्री का माप गोभी के आकार के अनुसार रखें

एक मध्यम आकार की फूलगोभी के लिए दो बडे चम्मच सरसों का तेल, चौथाई छोटा चम्मच जीरा, दो से तीन मध्यम प्याज और दो से तीन टमाटर ले सकते हैं. इसके अलावा दो हरी मिर्च, आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा छोटा चम्मच धनिया पाउडर और स्वादानुसार नमक रखें. हल्दी की थोडी मात्रा ब्लांच करने वाले पानी के लिए और थोडी मसाले के लिए चाहिए. आखिर में डालने के लिए साफ हरा धनिया रखें. गोभी छोटी हो तो प्याज और टमाटर कम लें, ताकि उनका स्वाद सब्जी पर हावी न हो.

फूल काटते समय बहुत छोटे टुकडे न करें

सबसे पहले गोभी की बाहरी पत्तियां और सख्त डंठल अलग करें. फिर मध्यम आकार के फूल निकालें. बहुत बडे फूलों के अंदर की सफाई और पकावट जांचना मुश्किल हो सकता है, जबकि बहुत छोटे फूल जल्दी नरम हो जाते हैं. इसलिए लगभग बराबर आकार रखना बेहतर है. हर फूल को पलटकर उसके डंठल और शाखाओं के बीच देखें. खराब, गले या अधिक नुकसान वाले हिस्से हटा दें।



पाली से मेवाड़-मारवाड़ घूमने का परफेक्ट रोड मैप, इन खूबसूरत जगहों को न करें मिस



दिवाली की छुट्टियाँ शुरू हो चुकी हैं और देश-विदेश से पर्यटक राजस्थान की खूबसूरती को निहारने खिंचे चले आ रहे हैं. अगर आप भी इस फेस्टिवल सीजन में राजस्थान घूमने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो एक बात जान लीजिए... चाहे आपको मेवाड़ की वादियों में जाना हो या मारवाड़ के शाही ठाट-बाट देखने हों, आपका स्वागत करेगा—पाली. पाली को मेवाड़ और मारवाड़ का मुख्य 'प्रवेश द्वार कहा जाता है. बिना पाली से गुजरे आपकी यह यात्रा पूरी नहीं हो सकती. लेकिन सवाल यह है कि इस सुहाने मौसम और छुट्टियों में अगर आप मेवाड़ रुख करते हैं तो वहाँ क्या खास देखने लायक है? और मारवाड़ की तरफ बढ़ते हैं तो कौन-सी जगहें आपकी ट्रिप को यादगार बना देंगी? जानें सबकुछ.

ट्रैवलोस्थान के ओनर गुंजन माथुर ने लोकल-18 से खास बातचीत करते हुए कहा कि राजस्थान आने वाले अधिकांश पर्यटक जोधपुर और उदयपुर पहुंचना पसंद करते हैं, जिसमें जोधपुर मारवाड़ और उदयपुर मेवाड़ का हिस्सा है. ये दोनों सबसे लोकप्रिय लोकेशंस हैं. यदि पर्यटकों के पास पर्याप्त समय हो, तो उन्हें केवल जोधपुर और उदयपुर तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि आसपास की अन्य खूबसूरत जगहों पर भी ट्रैवल करना चाहिए.

फलोदी का 'खीचन गांव' और कुर्जा पक्षियों का आकर्षण

गुंजन माथुर ने बताया कि यदि पर्यटक जोधपुर की तरफ आ रहे हैं, तो वे ओसिया, फलोदी और खीचन जैसी जगहों को देख सकते हैं. फलोदी जिले में स्थित 'खीचन गांव' भारत का एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जहां हजारों की संख्या में 'डेमोइसिले क्रेन' जिन्हें स्थानीय भाषा में 'कुर्जा' कहा जाता है,यह पक्षी हजारों किलोमीटर दूर से प्रवास करके आते हैं. सर्दियों के दौरान दो-तीन महीने रहने वाले इन पक्षियों के अलावा पर्यटक यहां का विलेज एक्सपीरियंस, पोकरण का किला और स्थानीय राजस्थानी व्यंजनों (फूड क्विज़ीन) का आनंद ले सकते हैं.

जवाई क्षेत्र: जहां इंसान और तेंदुए रहते हैं एक साथ

उदयपुर की तरफ जाने वाले पर्यटक जवाई (सुमेरपुर के पास) और चित्तौड़गढ़ व कुंभलगढ़ जैसी ऐतिहासिक जगहों का रुख कर सकते हैं. जवाई भारत की एकमात्र ऐसी अनोखी जगह है जहां तेंदुए और मनुष्य एक साथ निवास करते हैं. यहाँ पर्यटकों को उनके नेचुरल हैबिटेट में तेंदुए आसानी से दिख जाते हैं. इसके अलावा, जवाई में लेपर्ड सफारी, पहाड़ी पर स्थित माताजी का मंदिर और बर्ड वॉचिंग जैसी ऑफ-बीट गतिविधियां पर्यटकों को काफी आकर्षित करती हैं.

रोहेटगढ़ और विलेज सफारी का अनूठा अनुभव

पाली के पास स्थित रोहेट मारवाड़ का एक पुराना ठिकाना और हेरिटेज प्रॉपर्टी है. रोहेटगढ़ पैलेस में रुककर पर्यटक ग्रामीण जीवन (रूरल लाइफ) का अनुभव ले सकते हैं।

गोमती किनारे 100 मीटर में सिमटी थी संत की दुनिया



उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में गोमती नदी किनारे त्यागी जी महाराज का आश्रम आज भी लोगों की आस्था का केंद्र है. कहा जाता है कि उन्होंने करीब साढ़े तीन साल तक खुद को 100 मीटर के दायरे में सीमित रखा. गुरु के आदेश पर यहां पहुंचे महाराज की तपस्या और सादगी की कहानी आज भी लोगों को हैरान करती है.

सुल्तानपुर के कादीपुर खुर्द गांव में गोमती नदी किनारे त्यागी जी महाराज का आश्रम है. बताया जाता है कि उन्होंने करीब साढ़े तीन साल तक आश्रम की लगभग 100 मीटर की परिधि के बाहर कदम नहीं रखा.

मंदिर के पुजारी राजकुमार पांडे उर्फ रिंकू के मुताबिक, त्यागी जी महाराज अपने गुरु वनखंडी जी के आदेश पर जयसिंहपुर आश्रम से निकले थे. इसके बाद वे कादीपुर खुर्द पहुंचे और गोमती नदी के किनारे तपस्या शुरू की.

महाराज नदी किनारे बेहद साधारण जीवन जीते थे. उनका अधिकतर समय साधना और तपस्या में बीतता था. उनकी जीवनशैली ने आसपास के लोगों को प्रभावित किया.

बताया जाता है कि गांव के लोग उनके लिए दाना-पानी और जरूरत का सामान लेकर आते थे. इन्हीं चीजों से वे अपना भोजन तैयार करते और आश्रम में रहते थे.

त्यागी जी महाराज के आश्रम की पहचान यहां बने हनुमान मंदिर से भी है. आसपास के श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं.सुल्तानपुर के ऐतिहासिक गौरी शंकर मंदिर आने वाले कुछ श्रद्धालु नाव से गोमती नदी पार कर आश्रम पहुंचते हैं. यहां हनुमान जी के दर्शन के साथ वार्षिक भंडारे में भी लोग शामिल होते हैं।

पानी की टंकी में उतरे बिना कैसे करें सफाई? जानिए काई और जिद्दी गंदगी हटाने के 4 सुरक्षित व आसान तरीके



दूषित पानी कई गंभीर बीमारियों की जड़ बन सकता है, इसलिए घर की छत पर रखी पानी की टंकी की नियमित सफाई बेहद जरूरी है. अधिकांश लोग टंकी की तलहटी में जमी जिद्दी काई और गाद निकालने के लिए खुद संकरे टैंक के भीतर उतर जाते हैं, जो घुटन और जहरीली गैसों के चलते जानलेवा साबित हो सकता है. राहत की बात यह है कि बिना टंकी के अंदर घुसे भी आधुनिक तकनीकों और सही उपकरणों से इसे पूरी तरह बैक्टीरिया-मुक्त किया जा सकता है.

घर की पानी की टंकी की सफाई करना अक्सर लोगों के लिए मुश्किल काम बन जाता है. कई बार टंकी के अंदर काई, मिट्टी और गंदगी जमा हो जाती है, जिसे साफ करने के लिए लोग खुद टंकी में उतर जाते हैं. लेकिन ऐसा करना जोखिम भरा हो सकता है. क्या आप जानते हैं कि बिना टंकी के अंदर घुसे भी उसकी सफाई की जा सकती है? इसके लिए कुछ आसान उपकरणों और सही तरीकों की मदद ली जा सकती है. इससे सफाई का काम आसान होने के साथ जोखिम भी कम हो सकता है. आइए जानते हैं पानी की टंकी साफ करने के आसान तरीके.

लंबे हैंडल वाले ब्रश से करें सफाई

एक्सपर्ट हरिलाल निषाद लोकल 18 को बताते हैं कि अगर टंकी में हल्की काई या मिट्टी जमा हो गई है, तो लंबे हैंडल वाले ब्रश की मदद ले सकते हैं. इसके लिए सबसे पहले टंकी का पानी पूरी तरह निकाल दें. इसके बाद ढक्कन खोलकर लंबे डंडे वाले ब्रश से टंकी की दीवारों और तल की सफाई करें. इससे आपको टंकी के अंदर उतरने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी. ध्यान रखें कि ब्रश साफ और इस्तेमाल के लिए सुरक्षित होना चाहिए.

वाटर प्रेशर जेट से निकालें जमी हुई गंदगी

टंकी की दीवारों पर जमी काई और चिपकी हुई मिट्टी हटाने के लिए वाटर प्रेशर जेट का इस्तेमाल किया जा सकता है. इसमें तेज दबाव से पानी की धार निकलती है, जिससे दीवारों और कोनों में जमी गंदगी ढीली होकर बाहर निकल जाती है. इसके लिए टंकी का पानी निकालकर प्रेशर जेट को ढक्कन से अंदर की ओर डालें. ध्यान रखें कि पानी की गंदगी बाहर निकालने के लिए निकासी का रास्ता खुला होना चाहिए।

होंठों पर लिपस्टिक क्यों नहीं टिकती? सुबह लगाई लिपस्टिक शाम तक रहेगी बरकरार, फॉलो करें ये 4 स्टेप्स



लिपस्टिक चेहरे की खूबसूरती को कई गुना तक बढ़ाता है. लेकिन इसे सही तरीके से नहीं लगाने पर जल्दी मिटने भी लगता है, जिससे पूरा मेकअप खराब नजर आने लगता है. ऐसे में यदि आपके होंठ पर भी लिपस्टिक ज्यादा देर नहीं टिक पाता है, तो यहां जानिए लिपस्टिक को लॉन्ग लास्टिंग बनाने का आसान तरीका.

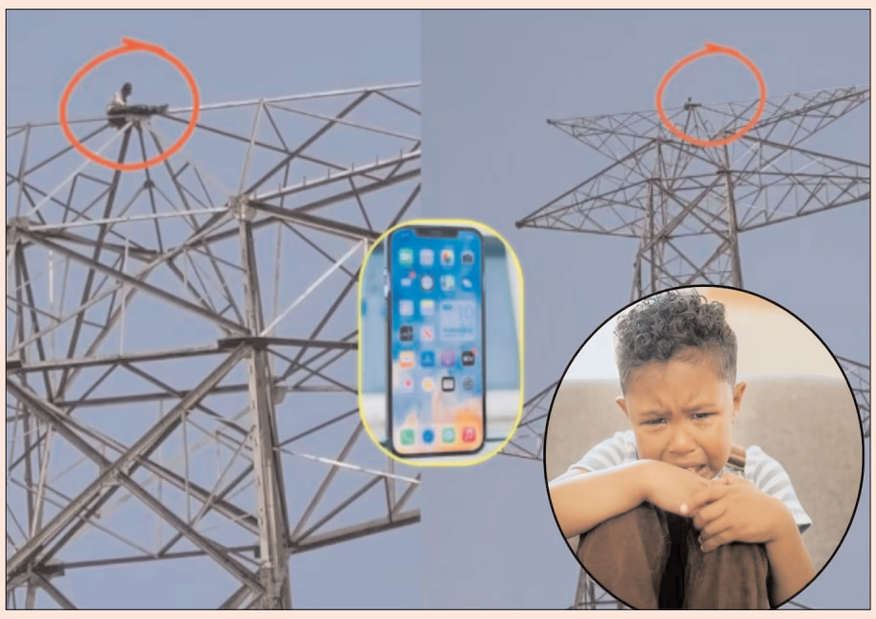
इसमें कोई दोराय नहीं कि लिपस्टिक से चेहरे का लुक निखर जाता है और मेकअप भी पूरा नजर आता है. लेकिन कई बार सारी मेहनत तब खराब हो जाती है, जब कुछ ही देर में लिपस्टिक होंठों से हटने लगती है. खाना खाने, चाय-कॉफी पीने या थोड़ी देर बातचीत करने के बाद लिपस्टिक का रंग हल्का पड़ जाता है. ऐसे में बार-बार टचअप करना पड़ता है.

लेकिन क्या आपने कभी सोचा है, लिपस्टिक होंठों से जल्दी क्यों मिट जाती है? दरअसल, लिपस्टिक जल्दी हटने के पीछे तीन मुख्य वजहें होती हैं. पहली, होंठों में नमी की कमी, दूसरी, होंठों पर मौजूद प्राकृतिक तेल और तीसरी, उनकी असमान बनावट. इसके अलावा खाने-पीने की चीजों में मौजूद तेल भी लिपस्टिक के रंग को हल्का कर सकते हैं. अगर होंठों पर रूखी त्वचा या पपड़ी है, तो भी लिपस्टिक अच्छी तरह चिपक नहीं पाती और जल्दी फीकी पड़ने लगती है.

लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाने के लिए अपनाएं ये 4 स्टेप

लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों की सही देखभाल करना जरूरी है. इसके लिए हल्के हाथों से लिप एक्सफोलिएशन करें, ताकि रूखी और डेड स्किन हट जाए. इसके बाद होंठों पर लिप बाम की पतली परत लगाएं. इससे होंठ मुलायम रहेंगे और लिपस्टिक अच्छी तरह लगेगी।

पिता ने आईफोन नहीं दिया तो बिजली के टावर पर चढ़ा लड़का..क्या है फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस?



कई बार प्यार में हम बच्चों को 'ना' सुनने ही नहीं देते. लेकिन जिंदगी में हर मनचाही चीज मिल जाए, यह जरूरी नहीं. ऐसे में बच्चों को निराशा, गुस्से और इंतजार को संभालना सिखाना भी अच्छी परवरिश का हिस्सा है. यहां जानिए फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस क्या है और बच्चों को 'ना' सुनना सिखाना क्यों जरूरी है.

बच्चों की कोई पसंदीदा चीज न मिले तो उनका उदास होना या नाराजगी जताना स्वाभाविक है. कई बार वे जिद करते हैं, रोते हैं या गुस्सा दिखाते हैं. लेकिन जब यही नाराजगी खतरनाक कदम उठाने तक पहुंच जाए, तो माता-पिता के लिए यह चिंता की बात है. हरियाणा के मेवात से सामने आई एक घटना ने इसी सवाल पर सोचने को मजबूर कर दिया है. यहां जहटाना गांव में एक युवक ने आईफोन की मांग पूरी न होने पर ऐसा कदम उठाया कि गांव के लोग घबरा गए.

मिली जानकारी के मुताबिक, युवक अपने माता-पिता से आईफोन खरीदने की जिद कर रहा था. जब परिजनों ने उसकी मांग पूरी नहीं की, तो वह नाराज होकर गांव के पास लगे हाईटेंशन बिजली लाइन के टावर पर चढ़ गया. देखते ही देखते वह काफी ऊंचाई तक पहुंच गया. उसे टावर पर चढ़ा देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई. लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी. पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से उसे समझाने की कोशिश की. काफी मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया.

यह घटना इस बात की ओर संकेत करती है कि किसी चीज की मांग अगर पूरी न हो और इसकी वजह से गुस्सा और निराशा आए तो ऐसे हालात को संभालना कितना जरूरी है. मनोविज्ञान में इसे फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस कहा जाता है. आसान भाषा में समझें तो इसका मतलब है कि जब हमारी इच्छा पूरी न हो या कोई काम मन के मुताबिक न हो, तो हम उस निराशा और गुस्से को किस तरह संभालें.

क्या है फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस और क्यों है जरूरी?

हर इंसान को जिंदगी में कभी न कभी निराशा का सामना करना पड़ता है. बच्चे को पसंदीदा खिलौना न मिले, मोबाइल इस्तेमाल करने का समय खत्म हो जाए या उसकी बात न मानी जाए, तो उसे बुरा लग सकता है. ऐसे समय में वह अपने इमोशन?स को कैसे संभालता है, यही उसकी फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस को दिखाता है.

दरअसल, बच्चों में भावनाओं को समझने और नियंत्रित करने की क्षमता धीरे-धीरे विकसित होती है. इसलिए उन्हें हर बार तुरंत समझदारी से प्रतिक्रिया देने की उम्मीद करना भी सही नहीं होगा. लेकिन अगर बच्चा छोटी-छोटी बातों पर बहुत ज्यादा गुस्सा करता है, खुद को या दूसरों को नुकसान पहुंचाने की धमकी देता है या खतरनाक कदम उठाता है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए.

अमेरिकन एकेडमी ऑफ चाइल्ड एंड अडोलेसेंट साइकियाट्री के मुताबिक, बार-बार होने वाले बहुत तीव्र भावनात्मक उबाल के पीछे अलग-अलग कारण हो सकते हैं. ऐसे मामलों में विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है.

हर जिद पूरी न करें: बच्चे को प्यार करना और उसकी हर मांग मान लेना दो अलग बातें हैं. अगर वह महंगा फोन मांग रहा है, तो उसे समझाएं कि यह अभी जरूरी नहीं है. केवल रोने या गुस्सा करने पर अपना फैसला न बदलें.

उसकी भावनाओं को समझें: बच्चा नाराज है तो उसे यह कहकर चुप न कराएं कि इसमें रोने वाली क्या बात है।





रश्मिका के लहजे पर ट्रोलिंग के बीच कशिका कपूर का समर्थन, बोलीं- भाषा रुकावट नहीं होनी चाहिए

मुंबई। अभिनेत्री **कशिका कपूर** ने दक्षिण भारतीय अभिनेताओं के बॉलीवुड में काम करने के दौरान उनके हिंदी लहजे को लेकर ट्रोल किए जाने पर अपनी राय साझा की। आईएनएस से खास बातचीत में कशिका ने कहा कि एक एक्टर को एक कलाकार के रूप में देखा जाना चाहिए और भाषा उनके लिए कोई रुकावट नहीं बननी चाहिए।

> "मुझे लगता है कि भाषा कभी कोई रुकावट नहीं बननी चाहिए। हमें इंडस्ट्री को यह कहकर नहीं बांटना चाहिए कि यह तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री है या यह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री है।
> — कशिका कपूर

रश्मिका के उदाहरण से कही बड़ी बात

कशिका ने कहा कि 'द गर्लफ्रेंड' फिल्म की इस एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को जिस तरह की आलोचना या जजमेंट का सामना करना पड़ रहा है, वह उसकी हकदार नहीं हैं।

उन्होंने कहा, "हर कोई कड़ी मेहनत कर रहा है और बेहतरीन परफॉर्मेंस दे रहा है। रश्मिका मंदाना एक शानदार एक्टर और परफॉर्मर हैं। उन्हें उनकी भाषा या एक्सेंट के आधार पर जज करना गलत है। यह उनकी पहचान का ही एक हिस्सा है जो उन्हें सबसे अलग बनाता है।"

रश्मिका ने भी झेली है आलोचना

'कॉफी विद करण' में शामिल होने के दौरान रश्मिका मंदाना ने बताया था कि उन्हें अपने पूरे करियर में अपने एक्सेंट को लेकर आलोचना झेलनी पड़ी है। हालांकि, उन्होंने कभी इस आलोचना की वजह से खुद को अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री और भाषाओं में काम करने से रोकने नहीं दिया।

'पुष्पा' एक्ट्रेस ने कहा- कई भाषाओं में करना चाहती हूं काम

शो के दौरान रश्मिका ने बताया कि वह दक्षिण भारत से हैं, इसलिए उनका एक्सेंट स्वाभाविक है। वह खुद को सिर्फ एक इंडस्ट्री तक सीमित रखने के बजाय कई भाषाओं में काम करना चाहती हैं।



कपूर परिवार में क्यों नहीं होती बेटों के काम की तारीफ? रणबीर ने बताई पीढ़ियों पुरानी परंपरा



विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर ने कपूर परिवार की एक ऐसी परंपरा के बारे में बात की, जो पीढ़ियों से चली आ रही है। उन्होंने बताया कि इस परिवार में पिता अपने बेटों के काम की खुलकर तारीफ करने से बचते रहे हैं। इसके पीछे वजह बेटों को लगातार बेहतर करने और अपने काम के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित करना रही है। रणबीर ने अपने दादा राज कपूर और परदादा पृथ्वीराज कपूर से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी सुनाया।

रणबीर ने यह किस्सा मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में बातचीत के दौरान साझा किया।

रणबीर के कहा, ''मैंने यह कहानी राज कपूर की किताब में पढ़ी थी। एक बार राज कपूर ने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर से पूछा था कि जब उनका बेटा आज इतना बड़ा स्टार बन चुका है और फिल्मों में इतना अच्छा काम कर रहा है, तो वे कभी उनकी तारीफ क्यों नहीं करते? यहां तक कि कभी पीठ थपथपाकर शाबाशी भी नहीं देते।''

रणबीर ने आगे बताया, ''इस सवाल के जवाब में पृथ्वीराज कपूर ने राज कपूर को एक छोटे बच्चे की कहानी सुनाई थी। उन्होंने कहा कि एक छोटा लड़का सड़क किनारे रस्सी पर संतुलन बनाकर करतब दिखाता था। उसका प्रदर्शन देखने के लिए रोज बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होते थे। लोग तालियां बजाते, उसे पैसे देते और उसकी जमकर तारीफ करते थे। हर बार करतब खत्म होने के बाद वह बच्चा अपने पिता के पास जाता और उनसे पूछता कि उसका प्रदर्शन कैसा रहा। लेकिन पिता हर बार उसे एक ही जवाब देते थे- 'कसर रह गई।' लोगों से इतनी तारीफ मिलने के बावजूद पिता उसे यही समझाते कि उसके प्रदर्शन में अभी सुधार की गुंजाइश बाकी है।''

अभिनेता ने बताया, ''कई सालों तक ऐसा होने के बाद एक दिन उस बच्चे ने अपने पिता से पूछ ही लिया कि जब लोग उसके करतब की इतनी तारीफ करते हैं और उसे इतना अच्छा बताते हैं, तो उसके पिता हमेशा कमी ही क्यों निकालते हैं? इस पर पिता ने जो जवाब दिया, वह काफी गहरी सीख देने वाला था।''

रणबीर के बताया कि बच्चे के पिता ने उससे कहा था, 'बेटा, जिस दिन मैं तुम्हारी तारीफ करना शुरू कर दूंगा, उस दिन तुम्हारा लक्ष्य और ध्यान अपने काम से हट जाएगा। तुम अपनी मंजिल पर पहुंचने के बजाय तारीफ में ही खो जाओगे।'

रणबीर की कहा, ''कपूर परिवार में बच्चों को कामयाबी मिलने के बाद भी लगातार मेहनत करते रहने की सीख दी जाती रही है।

'सांचे दरबार की जय' में ध्यानू भगत का किरदार निभाकर खुश हैं मितांश यादव, बोले- 'खुद को खुशकिस्मत मानता हूं'

विश्व केसरी

मुंबई। मां ज्वाला के परम भक्त ध्यानू भगत की भक्ति और आस्था की कहानी अब छोटे पर्दे पर दिखाई जा रही है। मेकर्स ने दीपावली के खास मौके पर नए धार्मिक-सामाजिक शो 'सांचे दरबार की जय... ध्यानू भगत की अमर कहानी' की शुरुआत की है। यह शो ध्यानू भगत की उस ऐतिहासिक कहानी पर आधारित है, जिनकी मां ज्वाला के प्रति अटूट श्रद्धा आज भी लोगों को प्रेरित करती है। उनकी भक्ति से जुड़ा लोकप्रिय जयकारा 'सांचे दरबार की जय' आज भी जागरण और माता की चौकियों में सुनाई देता है।

शो में ध्यानू भगत का किरदार मितांश यादव निभा रहे हैं। अपने किरदार को लेकर उन्होंने खुशी जाहिर की। मितांश ने कहा, ''मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे यह किरदार निभाने का मौका मिला। मुझे पहले से ही भक्ति करना और मंत्रों का जाप करना पसंद है, इसलिए इस शो का हिस्सा बनकर मुझे बहुत अच्छा लगा। इस कहानी के जरिए हम असली ध्यानू जी को श्रद्धांजलि दे रहे हैं, जिनकी भक्ति से जागरण, जयकारे और माता की आराधना जैसी परंपराओं को प्रेरणा मिली।''

उन्होंने आगे कहा, ''हालांकि, बहुत कम लोग उनकी असली कहानी और मां ज्वाला के साथ उनके खास रिश्ते के बारे में जानते हैं। मुझे खुशी है कि दंगल की टीम ने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे इतने प्रतिष्ठित किरदार को निभाने का मौका दिया।'' वहीं, शो में नंद बाबा की भूमिका निभा रहे अभिनेता राजेश दुबे ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, ''हमें ऐसा लगता है कि इस कहानी को पर्दे पर लाने के लिए खुद मां ज्वाला ने हमें चुना है। इस शो के जरिए हमें भक्ति, प्रेम और ईश्वर के प्रति समर्पण का असली अर्थ समझने का मौका मिला है।

आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान ने पटाखे फोड़ने वालों को बताया 'राष्ट्र विरोधी', बोलीं- यह सेहत के खिलाफ है

विश्व केसरी

मुंबई। दीपावली से पहले बढ़ते वायु प्रदूषण और बच्चों की सेहत पर पड़ने वाले बुरे असर को लेकर अभिनेत्री आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान ने पटाखे फोड़ने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने दीपावली पर पटाखे जलाने को 'देश विरोधी', 'जीवन विरोधी' और 'स्वास्थ्य विरोधी' बताया है।

सोनी राजदान ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लोगों, खास तौर पर बच्चों और बुजुर्गों की सेहत को देखते हुए कहा कि जो लोग सोचते हैं कि इस दीपावली पर एक पटाखा फोड़ना भी ठीक है, वे 'जीवन विरोधी, स्वास्थ्य विरोधी और देश विरोधी' हैं।



उन्होंने लिखा, 'छोटे बच्चों के माता-पिता आपको बताएंगे कि वायु प्रदूषण की वजह से उनके बच्चे कितने परेशान हैं। बीमार होने की वजह से वे कितने स्कूल के दिन मिस करते हैं। तो अगर आप मुझसे कहते हैं कि ऐसे हालात में इस दीपावली पर एक भी पटाखा फोड़ना बिल्कुल ठीक है, तो मैं बस यही कहूंगी कि यह मुझे एंटी-लाइफ, एंटी-हेल्थ लगता है और हां, राष्ट्र-विरोधी है।

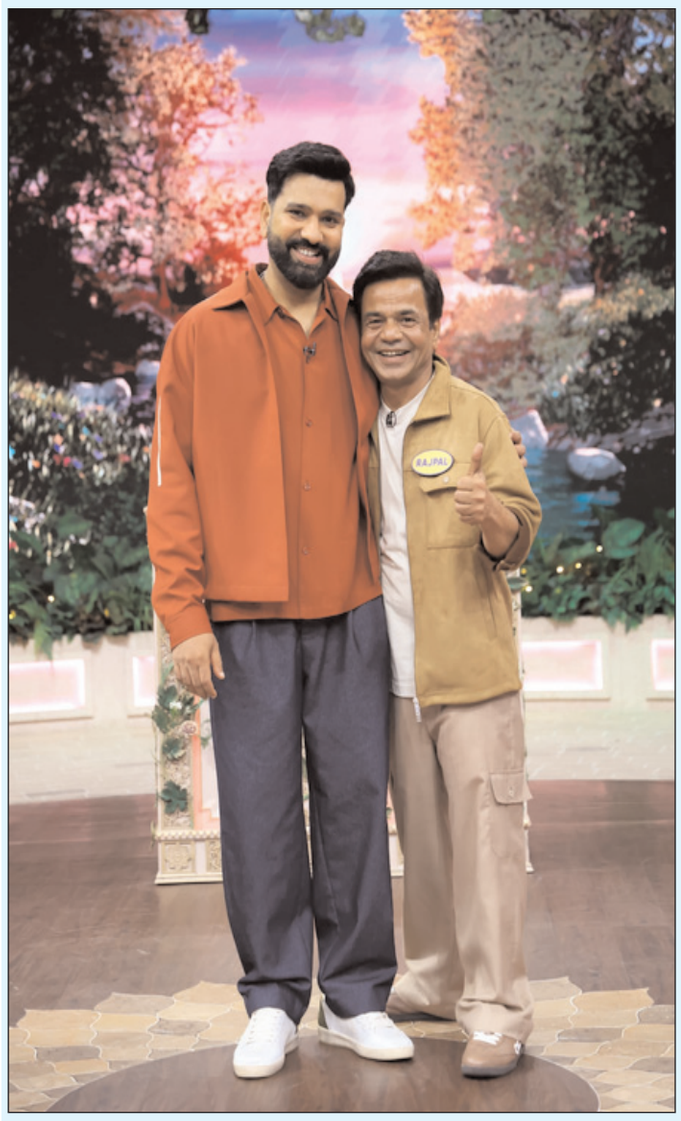
उन्होंने आगे लिखा, 'सेहत एक चुनाव है, जो हम अपने लिए और अपने बच्चों के लिए करते हैं। चलिए सही को चुनते हैं।'

दरअसल, सोनी राजदान का यह बयान अभिनेत्री दीया मिर्जा और बीएमसी के दीपावली प्रदूषण-विरोधी जागरूकता अभियान को लेकर चल रहे विवाद के बीच आया है। दीया मिर्जा हाल ही में एक राजनीतिक विवाद में घिर गई हैं।

बीएमसी ने दीपावली के दौरान वायु और ध्वनि प्रदूषण के बारे में जागरूकता फैलाने के अभियान से दीया मिर्जा, माधुरी दीक्षित, निशिगंधा वाड और क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे सहित कई सेलिब्रिटीज को जोड़ा था।

यह पहल बॉम्बे हाईकोर्ट के सार्वजनिक जगहों पर पटाखे फोड़ने पर पाबंदी और प्रदूषण के बारे में जागरूकता पैदा करने की जरूरत को लेकर दिए गए निर्देशों के बाद की गई थी। हालांकि, विरोध बढ़ने पर दीया मिर्जा के वीडियो को बीएमसी ने हटा दिया था। बाद में बॉम्बे हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप करते हुए उस वीडियो को दोबारा अपलोड करने का आदेश दिया था।

'जिसमें हम पिटते हैं, वह फिल्म हिट होती है', राजपाल यादव ने बताया कामयाबी का मजेदार राज



विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग और मजेदार अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उनकी कई फिल्मों में एक बात अक्सर देखने को मिली है और वह है उनका पिटना। इन सीन्स को राजपाल ने मजाकिया अंदाज में अपनी फिल्मों की कामयाबी से जोड़ा है। उन्होंने बताया कि जिन फिल्मों में उनकी पिटाई होती है, वे हिट हो जाती हैं।

दरअसल, राजपाल यादव हाल ही में रोहित शर्मा के शो 'फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा' में पहुंचे थे। इस दौरान होस्ट रोहित ने उनकी फिल्मों में नजर आने वाली एक दिलचस्प चीज की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि राजपाल की कई हिट फिल्मों, जैसे 'भागम भाग', 'खट्टा मीठा' और 'भूल भुलैया' में एक बात कॉमन रही है और वह है उनका पिटना।

रोहित ने मजाकिया अंदाज में अभिनेता से पूछा, ''राजपाल सर, आपकी 'भागम भाग', 'खट्टा मीठा', 'भूल भुलैया' और भी कई फिल्मों में एक चीज कॉमन रही है, आपकी पिटाई। क्या पिटाई आपका लकी चार्म है?''

इस सवाल पर राजपाल ने भी मजाकिया अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''हां, जिसमें हम पिटते थे, वो फिल्म हिट होती है।'' अभिनेता का यह जवाब सुनते ही वहां मौजूद लोग हंसने लगे। दर्शकों ने भी तालियां बजाकर उनकी बात पर खूब प्रतिक्रिया दी।

गौरतलब है कि राजपाल यादव ने अपने करियर में कई ऐसी कॉमेडी फिल्मों में काम किया है, जिनमें उनके किरदार अजीबोगरीब परिस्थितियों में फंसते नजर आए। इन फिल्मों में कॉमेडी और उनके साथ होने वाली मारपीट ने भी दर्शकों को खूब हंसाया।

साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म 'भागम भाग' में राजपाल ने गुल्लू का किरदार निभाया था। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और गोविंदा नजर आए थे। वहीं, 2007 में आई फिल्म 'भूल भुलैया' में उनका छोटा पंडित का किरदार काफी लोकप्रिय हुआ। फिल्म में उनका किरदार कई मजेदार और उलझन भरी परिस्थितियों में फंसता दिखाई दिया था।

इसके अलावा 'हंगामा', 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम', 'चुप चुप के', 'ढोल', 'पार्टनर', 'दे दना दन' और 'फिर हेरा फेरी' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को खूब हंसाया है।

'महिला निर्देशक' नहीं, सिर्फ निर्देशक कहें, मधुमिता ने मीडिया से की खास अपील

विश्व केसरी

मुंबई। निर्देशक मधुमिता इन दिनों अपनी आगामी साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'जॉन डो' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में अभिनेता अर्जुन दास मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान मधुमिता ने मीडिया और फिल्म समीक्षकों से एक खास अपील की।

उन्होंने कहा कि उन्हें 'महिला निर्देशक' कहने के बजाय सिर्फ 'निर्देशक' कहा जाए। उनका मानना है कि किसी निर्देशक के नाम के साथ उसका जेंडर जोड़ने से फिल्म बनने से पहले ही एक अलग तरह की छवि बना दी जाती है।

अपनी फिल्म 'केडी अंगिरा करुप्पुदुरई' के लिए तारीफ बटोर चुकीं मधुमिता ने ट्रेलर लॉन्च के दौरान कहा कि वह हर तरह की फिल्मों में काम करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, ''मेरी इच्छा है कि मैं हर जॉनर की फिल्में बनाऊं और किसी भी जॉनर को बिना आजमाए न छोड़ूं। हालांकि, मेरी सभी फिल्मों में एक चीज कॉमन होगी और वह है इंसानी भावनाएं। यही मेरी फिल्मों की यूएसपी होगी।''



उन्होंने मीडिया से अपील करते हुए कहा, ''मेरी एक छोटी-सी गुजारिश है। जब आप किसी फिल्म का रिव्यू करें, तो यह न लिखें कि किसी महिला निर्देशक की फिल्म अच्छी है या खराब। सिर्फ इतना लिखें कि फिल्म अच्छी है या खराब। यह आपका अधिकार है।''

मधुमिता ने अपनी इस अपील की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, ''इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि मुझे एक महिला होने पर गर्व नहीं है। लेकिन जब किसी पद या पहचान के आगे जेंडर जोड़ दिया जाता है, तो कई बार फिल्म बनने से पहले ही उसकी एक छवि बना दी जाती है। लोग मान लेते हैं कि महिला निर्देशक सिर्फ रोमांटिक या हल्की-फुल्की फिल्में ही बनाएंगी। इसलिए मेरी गुजारिश है कि मुझे सिर्फ निर्देशक कहा जाए।''

बात करें फिल्म 'जॉन डो' की तो इसका ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ गई है। ट्रेलर की शुरुआत एक छोटे लड़के और उसकी बड़ी बहन से होती है, जो रात में कुछ खाने-पीने का सामान लेने बाहर निकलते हैं।

बेंगलुरु-चेन्नई से जुड़ी जड़ें, एच-1बी वीजा की लड़ाई: सुहास सुब्रमण्यम अमेरिकी कांग्रेस में दूसरी बार निर्वाचित

विश्व केसरी■



वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद सुहास सुब्रमण्यम मंगलवार को वर्जीनिया के 10वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से दूसरी बार अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुने गए। तमिल मूल के चिकित्सक माता-पिता के बेटे सुहास की मां बेंगलुरु से हैं, जबकि उनके पिता चेन्नई और सिकंदराबाद में पले-बढ़े हैं।

भारत से पारिवारिक जुड़ाव और अमेरिका में भारतीय समुदाय के मुद्दों पर मुखरता उनकी राजनीतिक पहचान का अहम हिस्सा रहे हैं।

सुब्रमण्यम ने अपनी जीत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'चुनाव प्रचार खत्म हो गया है, लेकिन असली काम अब शुरू हो रहा है। मैं वाशिंगटन में बदलाव लाने के लिए अपने समुदाय के साथ मिलकर काम करने को तत्पर हूं। 'पिछले साल एक साक्षात्कार में उन्होंने अपने भारतीय पारिवारिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा था, 'मेरी मां बेंगलुरु से हैं। मेरे पिता चेन्नई और सिकंदराबाद से हैं और भारत से हमारा जुड़ाव है। मेरे परिवार के लोग आज भी भारत में रहते हैं।'

उन्होंने अपनी मां के अमेरिका पहुंचने की कहानी भी साझा की थी। उनकी मां 1979 में डलेस हवाई अड्डे पर पहुंची थीं। सुब्रमण्यम ने इस घटना को उस इलाके के इतिहास और प्रवासी समुदाय के अनुभवों से जोड़ते हुए सीएनबीसी-टीवी18 से कहा था, 'यहां डलेस हवाई अड्डा है और हमारा जिला उनके लिए एलिस आइलैंड जैसा था।'

ह्यूस्टन, टेक्सास में 1986 में जन्मे सुब्रमण्यम ने टुलेन विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र की पढ़ाई की और नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री हासिल की। उन्होंने अमेरिकी प्रतिनिधि सुजैन कोस्मास के सहयोगी के रूप में काम किया। इसके बाद सीनेटर डिक डर्बिन की सीनेट न्यायपालिका समिति में क्लर्क के तौर पर काम किया, जहां वह ड्रीम एक्ट से जुड़े कामकाज में शामिल रहे।

वर्ष 2015 में तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में उन्होंने व्हाइट हाउस में प्रौद्योगिकी नीति सलाहकार के रूप में भी सेवाएं दीं। उनके चुनाव प्रचार अभियान के अनुसार, वह वकील के तौर पर काम करने के साथ एक छोटा प्रौद्योगिकी कारोबार भी चला चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन और अग्निशमनकर्मी के रूप में स्वयंसेवा भी की है। सुब्रमण्यम ने 2019 में वर्जीनिया जनरल असेंबली का चुनाव जीतकर इतिहास रचा था। वह इस सदन के लिए निर्वाचित होने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी, पहले दक्षिण एशियाई मूल के व्यक्ति और पहले हिंदू थे।

जयपुर की बेटी पिया दांडिया ने जीती फ्लोरिडा सीट, संसद पहुंचने वाली दूसरी भारतीय-अमेरिकी महिला

विश्व केसरी■



वाशिंगटन। राजस्थान की राजधानी जयपुर से ताल्लुक रखने वाले अप्रवासी भारतीय माता-पिता की बेटी पिया दांडिया ने मंगलवार को हुए फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से जीत हासिल कर ली है। डेमोक्रेटिक पार्टी की पिया अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए निर्वाचित होने वाली दूसरी भारतीय-अमेरिकी महिला बन गई हैं। उनसे पहले प्रमिला जयपाल यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं।

दांडिया ने रिपब्लिकन पार्टी के कारोबारी उम्मीदवार केसी असकर को पराजित किया। डिसीजन डेस्क मुख्यालय और सीबीएस न्यूज के अनुमानों के मुताबिक, उन्होंने यह मुकाबला अपने नाम किया। एनबीसी न्यूज ने भी उन्हें इस सीट का संभावित विजेता घोषित किया। करीब 99 प्रतिशत मतों की गिनती पूरी होने के बाद दांडिया लगभग 52 प्रतिशत वोट के साथ आगे थीं, जबकि असकर को करीब 48 प्रतिशत मत मिले। एनबीसी न्यूज के अनुसार, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव की तुलना में इस सीट पर डेमोक्रेटिक पार्टी के पक्ष में करीब 14 प्रतिशत का रुझान बदला।

पाम बीच काउंटी में जन्मीं और पली-बढ़ीं दांडिया का बचपन जुपिटर में बीता। उनके माता-पिता 1980 के दशक में राजस्थान के जयपुर से अमेरिका पहुंचे थे और यहीं बस गए। अमेरिका आने के बाद उनके पिता डॉ. रोहित दांडिया ने बतौर डॉक्टर सेवाएं जारी रखीं, जबकि उनकी मां ने 40 वर्ष की उम्र में जुपिटर में एक मोंटेसरी स्कूल की स्थापना की। इस स्कूल की शुरुआत भी मुख्य रूप से पिया की शिक्षा को ध्यान में रखकर की गई थी।

दांडिया का पालन-पोषण भारतीय संस्कृति और पारिवारिक परंपराओं से जुड़े माहौल में हुआ।

संक्षिप्त खबर

उत्तरी अफगानिस्तान में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत, चार घायल

विश्व केसरी■



काबुल। उत्तरी अफगानिस्तान के बल्ख प्रांत में एक सड़क हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। प्रांतीय पुलिस कार्यालय ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, राजधानी काबुल को उत्तरी प्रांतों से जोड़ने वाले राजमार्ग पर दो तेज रफ्तार कारों की टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। बयान में इस घटना के लिए लापरवाही से गाड़ी चलाने को जिम्मेदार ठहराया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में ले जाया गया है, जिनमें से ज्यादातर की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। प्रांतीय पुलिस कार्यालय के अनुसार, 1 नवंबर को पूर्वी अफगानिस्तान के लगमान प्रांत में एक राजमार्ग पर हुई टक्कर में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के बयान के अनुसार, यह हादसा 1 नवंबर को अजीजखान कास इलाके में हुआ, जब राजधानी काबुल को पूर्वी प्रांतों से जोड़ने वाले राजमार्ग पर एक हिनो ट्रक की टक्कर सामने से आ रहे एक रिक्शे से हो गई।

ईडी की बड़ी कार्रवाई, दो राज्यों के कई ठिकानों पर छापेमारी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को दो अलग-अलग मामलों में बड़ी छापेमारी की। पहली कार्रवाई ओडिशा और पश्चिम बंगाल में निवेश धोखाधड़ी के मामले में हुई, जबकि दूसरी कार्रवाई तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में एपीपीएससी ग्रुप-1 परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में गड़बड़ी के मामले में की गई। ईडी भुवनेश्वर ने कल्पना फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक अमित मंडल के मामले में ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 10 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह पीएमएलए मामला आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू किया गया था। यह मामला मुख्य रूप से कल्पना फाइनेंशियल सर्विसेज के नाम पर चलाए जा रहे निवेश घोटाले से जुड़ा है। इसमें आम लोगों को यह कहकर निवेश के लिए लुभाया गया कि उनका पैसा शेयर बाजार या ट्रेडिंग गतिविधियों में लगाया जाएगा और उन्हें हर महीने लगभग 3.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक निश्चित मासिक रिटर्न मिलेगा। इस योजना के जरिए जनता से करीब 120 करोड़ रुपए जुटाए गए थे। ईडी ने बताया कि आगे की जांच जारी है। दूसरी कार्रवाई में ईडी हैदराबाद ने आंध्र प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) द्वारा आयोजित ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन से जुड़े मामले में पीएमएलए के तहत तलाशी अभियान शुरू किया। यह तलाशी हैदराबाद और सिकंदराबाद के साथ-साथ आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में कुल सात ठिकानों पर की गई।

भूटान ने पीएम मोदी को दिया विशेष सम्मान, 108 बौद्ध स्तूपों में से 76वां स्तूप समर्पित किया उनके नाम

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। हाल ही में भारत और भूटान के बीच गहरे आध्यात्मिक और सभ्यतागत संबंधों की एक विशेष झलक दिखी। भूटान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक अनूठे सम्मान से नवाजा। यहां महज नौ घंटे के भीतर 108 बौद्ध स्तूपों (जांगचुब चोर्टेन) का निर्माण कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई। इस अवसर पर 76वें स्तूप को प्रधानमंत्री मोदी के नाम समर्पित किया गया।

भारत-भूटान की दोस्ती का प्रतीक गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी में मौजूद है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। एमईए के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, '1 नवंबर 2026 को भूटान में नौ घंटे के भीतर 108 बौद्ध स्तूपों का निर्माण किया गया। इस अवसर पर भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री मोदी को समर्पित 76वें स्तूप की पट्टिका का अनावरण किया। 'रायसवाल ने इसे प्रधानमंत्री मोदी के प्रति विशेष सम्मान बताते हुए कहा, 'यह उपलब्धि भारत और भूटान के बीच गहरे आध्यात्मिक एवं सभ्यतागत संबंधों का स्थायी प्रतीक बनेगी।'

पोस्ट के साथ दो तस्वीरें भी साझा की गई जिसमें पीएम मोदी के नाम पर समर्पित स्तूप का उल्लेख एक पट्टिका पर किया गया था।

भूटान में बौद्ध स्तूपों का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। जांगचुब चोर्टेन को बौद्ध परंपरा में ज्ञान और आध्यात्मिक जागृति का प्रतीक माना जाता है। 108 स्तूपों का निर्माण इस धार्मिक परंपरा से जुड़ी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी भूटान के दक्षिणी हिस्से में स्थित है। ये भारत सीमा के पास स्थित एक विशेष प्रशासनिक क्षेत्र है। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक की एक बड़ी विकास परियोजना के रूप में इसे विकसित किया जा रहा है।

सऊदी ने तीन ड्रोन किए इंटरसेप्ट, हूती का दावा- हवाई अड्डे और एयरबेस पर किया हमला

विश्व केसरी■



रियाद। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने तीन ड्रोनों को इंटरसेप्ट करने की बात कही है, वहीं, यमन के हूती समूह ने दावा किया है कि उसने दक्षिण-पश्चिमी सऊदी अरब में एक हवाई अड्डे और एक एयरबेस पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है।

गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मलिकी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि उनके बलों ने मक्का क्षेत्र के ऊपर एक ड्रोन को नष्ट कर दिया, हालांकि उन्होंने इस बारे में कोई और जानकारी नहीं दी।

समाचार एजेंसी 'सिन्हुआ' के अनुसार, बाद में उन्होंने बताया कि दो और ड्रोन को रोका और नष्ट किया गया - एक पूर्वी प्रांत में और दूसरा दक्षिणी क्षेत्र की ओर जा रहा था। इस बीच, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया का वीडियो संदेश जारी किया गया। जिसमें उन्होंने कहा कि उनके समूह ने सऊदी अरब के दक्षिण-पश्चिमी असीर क्षेत्र में दो हमले किए।

उन्होंने बताया कि एक ड्रोन से 'अभा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे' को और एक बैलिस्टिक मिसाइल से खमीस मुशैत स्थित 'किंग खालिद एयर बेस' को निशाना बनाया गया। उन्होंने दावा किया कि ड्रोन हमले से हवाई अड्डे पर हवाई यातायात बाधित हुआ और मिसाइल सीधे एयर बेस से जा टकराई।

सरिया ने बताया कि यमन के भीतर, हूती बलों ने दक्षिणी प्रांत लाहज के रास अल-अराह और अल-मुदरबाह इलाकों में सरकारी बलों पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों में बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं।

चक्रवात 'मुरासु' का असर हुआ कम, काली पूजा तक पूरे बंगाल में शुष्क मौसम की संभावना

विश्व केसरी■



कोलकाता। कोलकाता स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने बुधवार को बताया कि चक्रवात 'मुरासु' का असर काफी कम हो गया है, जिससे गुरुवार से पूरे पश्चिम बंगाल में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं।

पूर्वी क्षेत्र के निदेशक हबीबुर रहमान बिस्वास ने बताया कि कमजोर पड़ने के बाद चक्रवात 'मुरासु' अब एक निम्न दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। इस सिस्टम का राज्य पर कोई सीधा असर नहीं पड़ा, लेकिन बुधवार सुबह कोलकाता और दक्षिण बंगाल के कई जिलों में बारिश हुई। हालांकि, गुरुवार से पूरे राज्य में मौसम शुष्क रहेगा। काली पूजा (8 नवंबर) तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा।

मौसम विशेषज्ञों ने संकेत दिया है कि 9 नवंबर से फिर से हल्की बारिश हो सकती है, जिसके बाद 12 नवंबर के आसपास मौसम फिर से शुष्क हो जाएगा। इस दौरान तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आने की भी उम्मीद है, खासकर उन जिलों में जहां पारा पहले से ही कोलकाता की तुलना में कम है। तापमान में इस गिरावट के बावजूद, मौसम विभाग ने अभी तक राज्य में सर्दियों की शुरुआत होने का कोई संकेत नहीं दिया है।

उत्तर बंगाल में भी मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है और रविवार तक वहां के आठ जिलों में किसी खास बारिश का अनुमान नहीं है।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस सीजन में लगातार आए चक्रवातों ने 2013 की यादें ताजा कर दी हैं, जब कुछ ही हफ्तों के भीतर बंगाल की खाड़ी में तीन चक्रवात हेलेन, लहर और माडी बने थे। हाल ही में एक के बाद एक आए चक्रवातों, अर्नब और मुरासु, के प्रभाव की तुलना उसी असामान्य दौर से की जा रही है।

हालांकि, चक्रवात 'मुरासु' ने आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया है।

मंगलवार को कोलकाता में अधिकतम तापमान 31.04 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से थोड़ा अधिक था।

बीएसएफ जवानों पर हमले के फरार आरोपियों के बांग्लादेश भागने की आशंका, पुलिस ने किया अलर्ट

विश्व केसरी■



अगरतला। त्रिपुरा पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर विशेष सतर्कता बरतने के लिए कहा, ताकि बीएसएफ जवानों पर हुए हमले के मामले में फरार नौ आरोपी पड़ोसी देश बांग्लादेश भाग न सकें।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ द्वारा दर्ज एफआईआर में 19 हमलावरों के नाम शामिल हैं। इनमें से अब तक तीन महिलाओं समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अधिकारी ने कहा कि सोमवार रात बीएसएफ कर्मियों पर हुए हमले के तुरंत बाद शुरू किया गया तलाशी अभियान अभी भी जारी है। बाकी नौ आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। आशंका है कि गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर बांग्लादेश में शरण ले सकते हैं। इसी कारण बीएसएफ को सीमा पर कड़ी निगरानी रखने और किसी भी अवैध आवाजाही को रोकने के लिए अलर्ट किया गया है।

बीएसएफ त्रिपुरा फ्रंटियर की महानिरीक्षक प्रिंसी रानी और सिपाहीजला जिले के पुलिस अधीक्षक बिजॉय देबबर्मा ने मंगलवार को अन्य अधिकारियों के साथ सिपाहीजला जिले के भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र स्थित आशाबाड़ी इलाके का दौरा किया। अधिकारी के अनुसार, बीएसएफ आईजी ने जवानों को सीमा सुरक्षा संबंधी सभी मानक प्रक्रियाओं का अतिरिक्त सतर्कता के साथ पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा से भी मुलाकात कर उन्हें घटना की जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, बीएसएफ जवानों ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कुछ भारतीय और बांग्लादेशी तस्करों को कथित रूप से गांजा की तस्करी करते देखा।

पीएम मोदी ने शरद पवार को फोन कर जाना हाल, स्वास्थ्य पर चर्चा से महाराष्ट्र की राजनीति में बढ़ी हलचल

विश्व केसरी■



पुणे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को एनसीपी(एसपी) अध्यक्ष शरद पवार को फोन किया और उनका हालचाल पूछा। इस बात की पुष्टि शरद पवार के पारिवारिक मित्र और करीबी सहयोगी विट्ठल मनियार ने की है। हालांकि, प्रधानमंत्री के इस फोन कॉल ने महाराष्ट्र में राजनीतिक चर्चाओं को हवा दे दी है।

अस्पताल के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए मनियार ने बताया कि पीएम मोदी ने वरिष्ठ नेता से आग्रह किया कि वे अपनी सेहत को प्राथमिकता दें और आराम करें।

पीएम मोदी ने शरद पवार से कहा, 'सुप्रिया और हम देश संभाल लेंगे। आप अपनी सेहत का ध्यान रखें और आराम करें। अपना आशीर्वाद हम पर बनाए रखें। 'पीएम मोदी के फोन कॉल के बाद पवार के अस्पताल में भर्ती होने की खबर ने राजनीतिक चर्चाओं को जन्म दे दिया। पीएम मोदी ने सुबह-सुबह फोन करके शरद पवार का हाल-चाल पूछा था।

पवार ने फोन करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और उन्हें भरोसा दिलाया कि वे आराम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आप सभी के रहते मुझे देश की कोई चिंता नहीं है।'

दोनों नेताओं के बीच हुई इस बातचीत ने महाराष्ट्र के राजनीतिक समीकरणों को लेकर मीडिया में फिर से अटकलें तेज कर दी हैं। हालांकि उनके करीबी सहयोगियों का कहना है कि यह केवल पवार की सेहत के बारे में पूछा गया एक शिष्टाचार भरा कॉल था।

मनियार ने पुष्टि की कि वरिष्ठ नेता की हालत स्थिर है और कोई गंभीर समस्या नहीं है। 'उनकी सेहत काफी अच्छी है; कोई गंभीर बात नहीं है। दो दिन पहले उन्हें खांसी और सीने में जकड़न (कंजेशन) की शिकायत थी, जिसके चलते उन्हें यहां भर्ती कराया गया था।

'हम उनसे गुहार लगा रहे हैं कि लोकतंत्र को बचाइए', संजय राउत ने भाजपा पर साधा निशाना

विश्व केसरी■



ठाणे। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और अन्य नेताओं को लोकतंत्र और राष्ट्रीय मुद्दों पर खुली बहस की चुनौती दी। अमिताभ बच्चन को लेकर सुरक्षा चिंताओं और फिल्मी हस्तियों को धमकियों की आलोचना की। इसके अलावा भाजपा की अगुवाई वाली बीएमसी पर पटाखों को लेकर दीया मिर्जा की पर्यावरण संबंधी चिंताओं का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, 'कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से उन्हें बार-बार एसआईआर, लोकतंत्र और देश को लेकर बहस की चुनौती दी जा रही है। उनकी ओर से जहां कहा जाएगा, उस मंच पर बहस की जाएगी। जो लोग सरकार में हैं, देश और राज्य चला रहे हैं, वही लोकतंत्र बचाने के लिए सड़क पर आ गए हैं। हम उनसे गुहार लगा रहे हैं कि लोकतंत्र को बचाइए और उनकी ओर से ज्ञानेश कुमार के समर्थन में लोकतंत्र बचाने की बात की जाती है।'

संजय राउत ने कहा, 'अमिताभ बच्चन बुलेटप्रूफ सुरक्षा में जी रहे हैं। इस देश के महानायक इस तरह से अपनी जिंदगी गुजार रहे हैं। यह बहुत शर्मनाक और निंदनीय बात है। पूरा हिंदी फिल्म जगत दहशत में है। जिसकी वजह से दहशत है, वह साबरमती जेल में सरकार की सुरक्षा में आराम से बैठा है और बाहर खेल चल रहा है। अमिताभ बच्चन को धमकाया गया। टाइगर श्रॉफ पर गोली चलाई गई। बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई। बड़े-बड़े बिल्डरों को धमकाया जा रहा है। कलाकारों को धमकाया जा रहा है और ये लोग लोकतंत्र बचाने निकले हैं।

पहला वनडेः विराट कोहली का अर्धशतक, भारत ने न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया



विश्व केसरी ■

ऑकलैंड। ईडन पार्क में खेले गए पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। भारत की जीत में अर्शदीप सिंह की गेंदबाजी के बाद विराट कोहली की अर्धशतकीय पारी की अहम भूमिका रही।

186 का लक्ष्य हासिल करने उतरी भारतीय टीम को पहला झटका रोहित शर्मा के रूप में 1 के स्कोर पर लगा। रोहित बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद गिल और विराट ने पारी को संभाला। बारिश की वजह से खेल दो बार बाधित हुआ।

दूसरी बार बारिश की बाधा के बाद जब खेल शुरू हुआ, तो डीएलएस नियम के मुताबिक भारत को जीत के लिए 32 ओवर में 143 का लक्ष्य मिला।

शुभमन गिल और विराट ने दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी के दौरान लग रहा था कि भारत 9 विकेट से जीत हासिल करेगी, लेकिन ये साझेदारी टूटते ही लगातार विकेट गिरे।

गिल दूसरे विकेट के रूप में 56 गेंदों पर 37 रन बनाकर 114 के स्कोर पर आउट हुए। इसके बाद 124 के स्कोर पर विराट कोहली तीसरे विकेट के रूप में आउट हुए। विराट ने अर्धशतक लगाया। वे 51 गेंदों पर 1 छक्का और 13 चौकों की मदद से 74 रन बनाकर आउट हुए।

124 के स्कोर पर ही अक्षर पटेल बिना खाता खोले चौथे विकेट के रूप में आउट हुए। श्रेयस अय्यर भी 13 गेंदों पर 15 रन बनाकर 136 के स्कोर पर पांचवें विकेट के रूप में आउट हुए।

राहुल और नमन धीर ने भारतीय टीम को जीत दिलाई। भारत ने 5 विकेट पर 22.4 ओवर में 143 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीता। राहुल 3 और धीर 5 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की तरफ से जैकब डफी ने 3, जबकि काइल जैमिसन और नाथन स्मिथ ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले, टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई थी। न्यूजीलैंड के लिए टिम सिफर्ट ने 38, डेरिल मिचेल ने 28 और ग्लेन फिलिप्स ने 30 रनों की पारी खेली। इसके अलावा, ब्लेयर टिकनर ने 34 और जैकब डफी ने नाबाद 15 रन बनाए थे।

कीवी टीम ने एक समय 146 के स्कोर पर 9 विकेट गंवा दिए थे। ब्लेयर और डफी ने आखिरी विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 185 तक पहुंचाया।

भारत की तरफ से अंशुल कंबोज ने बेहद किफायती गेंदबाजी की। कंबोज ने 10 ओवर में 2 मेडन फेंकते हुए मात्र 22 रन देकर 2 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह थोड़े महंगे रहे। अर्शदीप ने 10 ओवर में 70 रन देकर 4 विकेट लिए। गुरनूर बरार ने 9.2 ओवर में 44 रन देकर 3 विकेट लिए थे।



रोहित भाई के उस 'रन-आउट' ने मैच का रुख बदल दिया: कप्तान गिल



विश्व केसरी ■

ऑकलैंड। भारत ने बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ बारिश से प्रभावित मुकाबले में 5 विकेट से जीत हासिल की। कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को ईडन पार्क में मिली जीत का श्रेय अपनी टीम की अनुशासित गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग को दिया।

उन्होंने खास तौर पर रोहित शर्मा द्वारा डेरिल मिशेल को रन-आउट करने के पल का जिक्र किया। गिल ने कहा कि यह विकेट मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ, क्योंकि उस समय मिशेल और ग्लेन फिलिप्स की साझेदारी से न्यूजीलैंड मैच में वापसी करने की स्थिति में दिख रहा था।

ऑकलैंड में न्यूजीलैंड को 40.2 ओवरों में 185 रन पर समेटने के बाद भारत ने डकवर्थ लुईस नियम के तहत मिले 143 रन के संशोधित लक्ष्य को 22.4 ओवरों में हासिल कर लिया। इस दौरान कोहली ने 51 गेंदों में 14 गेंदों में 74 रन की पारी खेली। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है।

टीम के प्रदर्शन को लेकर गिल ने बताया कि कैसे भारत की फील्डिंग ने गेंदबाजी का बखूबी साथ दिया, और रोहित की शानदार फील्डिंग ने न्यूजीलैंड के प्रतिरोध को तोड़ने में मदद की।

गिल ने कहा, 'हमारी गेंदबाजी बहुत अच्छी रही। हमारी फील्डिंग भी काफी शानदार थी। रोहित भाई के उस रन-आउट ने मैच का रुख ही बदल दिया। मिशेल और फिलिप्स की साझेदारी काफी खतरनाक लग रही थी - हमने भारत में भी देखा था कि उन दोनों ने कितनी अच्छी बल्लेबाजी की थी। कुल मिलाकर, यह हमारी टीम का बहुत अच्छा प्रदर्शन रहा।

कप्तान गिल, अंशुल कंबोज और गुरनूर बराड़ के योगदान से खुश नजर आए। इन दोनों गेंदबाजों ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए न्यूजीलैंड को लगातार दबाव में रखा। कंबोज ने 10 ओवरों में 22 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि बराड़ ने 44 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मतलब है कि अंशुल ऐसे गेंदबाज हैं, जो इन परिस्थितियों के लिए एकदम उपयुक्त है। वह हमेशा तेज गेंदबाजी करते हैं और गेंद को सीम कराने की कोशिश करते हैं। वह पुरानी गेंद से भी अच्छी गेंदबाजी करते हैं। हमें लगा कि जब पिच से ज्यादा मदद नहीं मिल रही हो, तो वह अतिरिक्त उछाल पैदा कर सकता है। उसकी गति और जिस तरह से उन दोनों ने आज रात गेंदबाजी की, उन्हें देखना वाकई शानदार था।'

भारतीय पारी के दौरान दो बार बारिश हुई, जिसके कारण ओवरों की संख्या घटाकर 32 कर दी गई और लक्ष्य में भी बदलाव करना पड़ा।

हम उतनी जल्दी खुद को ढाल नहीं पाए, जितना कर सकते थे: सैंटनर



विश्व केसरी ■

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड की टीम बुधवार को भारत के खिलाफ पहले वनडे मैच में सिर्फ 185 रन पर ऑलआउट हो गई, जिसके बाद टीम इंडिया ने डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर 5 विकेट से जीत हासिल की। कीवी कप्तान मिचेल सैंटनर ने माना कि उनकी टीम ईडन पार्क की पिच की गति और उछाल के हिसाब से खुद को जल्दी नहीं ढाल पाई।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज अतिरिक्त उछाल का सामना करने में संघर्ष करते नजर आए, और भारतीय तेज गेंदबाजों ने लगातार उन्हें परेशान किया। अर्शदीप सिंह ने कीवी पारी के चार विकेट लिए, जबकि गुरनूर बराड़ को तीन विकेट हाथ लगे और अंशुल कंबोज ने 2 विकेट निकाले। अपनी बल्लेबाजी पर बात करते हुए, सैंटनर ने कहा कि पिच का बर्ताव और भारत की अनुशासित गेंदबाजी, न्यूजीलैंड की पारी के जल्दी सिमटने के मुख्य कारण रहे।

मैच के बाद सैंटनर ने कहा, 'पिच पर उछाल ज्यादा था और ईडन पार्क में यह हमारी उम्मीद से थोड़ी तेज भी थी। हम उतनी जल्दी खुद को नहीं ढाल सके, जितना कर सकते थे। साथ ही, भारत की तरफ से भी काफी अच्छी गेंदबाजी देखने को मिली।'

कीवी कप्तान को लगा कि भारतीय बल्लेबाज उछाल को बेहतर तरीके से संभाल रहे थे, खासकर शॉर्ट गेंदों का सामना करते समय। उन्होंने यह भी बताया कि लक्ष्य का पीछा करते समय बारिश के कारण खेल में रुकावट आई, जिसके बाद परिस्थितियां बदल गईं ।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने तोड़ा लगातार हार का सिलसिला, रोमा को 3-2 से हराया



मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने दो गोल से पीछे रहने के बावजूद ओल्ड ट्रैफर्ड में शानदार वापसी करते हुए यूईएफए चैंपियंस लीग में रोमा को 3-2 से हराया। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इस जीत के साथ लगातार 9 मैचों में हार के सिलसिले को समाप्त किया।

मटियास सोले ने मेहमान टीम के लिए पहला गोल किया, जिसके बाद डोनियल मालेन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर शुरुआती 17 मिनट में स्कोर 2-0 कर दिया। इन दो गोलों ने मैनचेस्टर यूनाइटेड पर दबाव बढ़ा दिया। यूनाइटेड के खिलाड़ियों को इसके बाद अपने समर्थकों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। पिच पर हरी टेनिस बॉल फेंकी गई और फुटबॉल डायरेक्टर जेसन विलकॉक्स के खिलाफ नारे लगाए गए।

यूनाइटेड की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब मिडफील्डर कार्लोस बालेबा को हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई, जिससे कैरिक की पहले से ही मुश्किल शाम में एक और चिंता बढ़ गई। हालांकि, कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस ने पेनल्टी को गोल में बदलकर यूनाइटेड की मैच में वापसी कराई। हालांकि, क्षेत्र के अंदर एक उल्लंघन के बाद उन्हें स्पॉट-किक दोबारा लेनी पड़ी क्योंकि उनकी पहली कोशिश बेकार हो गई थी।

मोमेंटम धीरे-धीरे होम टीम की तरफ मुड़ गया, जब ब्रायन म्ब्यूमो ने दोनों पोस्ट पर शॉट मारकर यूनाइटेड को बराबरी पर लाने के बहुत करीब आ गए। रोमा का विरोध आखिरकार तब टूट गया जब लियोनार्डो बालेरडी क्लीयरेंस से निपटने में नाकाम रहे, जिससे मैथ्यूस कुन्हा को फायदा उठाने और बराबरी करने का मौका मिल गया।

मैच के आखिरी स्टेज पर, कुन्हा ने अहम झटका दिया, मुश्किल एंगल से एक जोरदार फिनिश के साथ गोल करके यूनाइटेड की जबरदस्त वापसी करवाई। कुन्हा के इस गोल ने ओल्ड ट्रैफर्ड में फैंस को झूमने पर मजबूर कर दिया।

हालांकि, ब्राजील के इस खिलाड़ी को स्टॉपेज टाइम में बालेरडी पर फाउल करने के लिए दूसरा येलो कार्ड मिला। उन्हें पहले गोल सेलिब्रेशन के दौरान अपनी शर्ट उतारने के लिए बुक किया गया था, जिससे यूनाइटेड को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने पर मजबूर होना पड़ा।

मेजबान टीम ने 54 दिनों में अपनी पहली जीत हासिल की। इस जीत ने हेड कोच माइकल कैरिक पर दबाव हटाया। टीम की लगातार हार ने उन पर दबाव बढ़ा दिया था।

यूनाइटेड को अपने अगले मैचों में एस्टन विला, लिवरपूल और स्पोर्टिंग सीपी जैसी टीमों का सामना करना है।

वर्ल्ड रिकॉर्ड के बारे में प्रेजेंटेशन के दौरान पता चला: प्रेमा रावत



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्रेमा रावत ने सोमवार को पुणे में सीनियर विमेंस टी20 ट्रॉफी गेम में उत्तराखंड के लिए खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ मात्र 14 गेंदों पर अर्धशतक लगाया। प्रेमा ने अपनी पारी में 6 चौके और 4 छक्के लगाए। यह महिला टी20 का सबसे तेज अर्धशतक है।

प्रेमा रावत ने कहा है कि बल्लेबाजी के दौरान उन्हें नहीं पता था कि उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है।

मीडिया से बात करते हुए प्रेमा रावत ने कहा, 'प्रेजेंटेशन सेरेमनी में, रेफरी आए और प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया और मुझे बताया कि 14 गेंदों में फिफ्टी बनाना एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस तरह सभी टीम मेंबर्स और कोच को पता चला कि यह एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। यह सुनकर मुझे सामान्य लगा। लेकिन हां, मुझे अच्छा लगा कि यह एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है।'

प्रेमा ने इस बड़ी कामयाबी का जश्न सिनेमा हॉल जाकर रजनीकांत की लेटेस्ट तमिल फिल्म 'जेलर 2' देखकर मनाया।

रावत ने कहा, 'जब वह बल्लेबाजी करने गईं तो उनके दिमाग में कोई बड़ा प्लान नहीं था। मैं सिचुएशन के हिसाब से खेलना चाहती थी। मुझे पता था कि जब मैं खेलने उतरूंगी, तो कुछ ओवर बचे होंगे। इसलिए, मैं टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा रन बनाना चाहती थी।

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई किया



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत की स्टार शटलर पी.वी. सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने बुधवार को इसकी पुष्टि की।

वर्ल्ड टूर फाइनल्स 9-13 दिसंबर तक चीन के हांगझोऊ में होगा। एन से यंग, ??अकाने यामागुची, वांग झी यी और चेन यू फेई ने भी साल के आखिर में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है।

गैर-थॉमस कप वर्षों में होने वाले इस टूर्नामेंट में साल के आखिर में होने वाली वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप आठ खिलाड़ियों/जोड़ियों को बुलाया गया था। पांच महिला एकल खिलाड़ियों के क्वालीफाई होने के साथ - जापान की तोमोका मियाजाकी, नोजोमी ओखुहारा, रत्चानोक इंतानोन और पुत्री कुसुमा वर्दानी (इंडोनेशिया), थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग और डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन - बाकी तीन जगहों की दौड़ में अन्य खिलाड़ी हैं।

2021 के बाद सिंधु पहली बार वर्ल्ड टूर फाइनल्स में हिस्सा ले रही हैं। 2022 में उन्होंने क्वालीफाई किया था, लेकिन चोट की वजह से उन्हें बाहर होना पड़ा था। वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स महिला एकल खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने 2018 में जापान की नोजोमी ओकुहारा को हराया था।

2019 की वर्ल्ड चैंपियन सिंधु की हालिया हाइलो ओपन में खिताब जीत उनके लिए सीजन के आखिर में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने में अहम साबित हुई। सुपर 500 टाइटल ने उनकी टैली में 9,200 पॉइंट्स जोड़े, जिससे वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड रैंकिंग के लेटेस्ट अपडेट में दो पायदान ऊपर छठे स्थान पर पहुंच गईं।

हाइलो ओपन क्राउन इस साल टूर पर सिंधु का दूसरा खिताब था। सिंधु के नाम सात बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल हैं। उन्होंने हाइलो ओपन से पहले फ्रेंच ओपन का फाइनल भी खेला था, लेकिन दुनिया की नंबर 1 और मौजूदा ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियन कोरिया की एन से-यंग से हार गई थीं।2022 के बाद यह पहला सीजन है जिसमें सिंधु ने कई बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीते हैं। हाइलो ओपन टाइटल जीतने के कुछ दिनों बाद, सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए आराम करने और फिट होने के लिए कोरिया ओपन और जापान मास्टर्स छोड़ने का फैसला किया।

राफिन्हा और यामल की मदद से बार्सिलोना ने एस्टन विला को 3-0 से हराया



विश्व केसरी ■

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग में एस्टन विला के लगातार जीत के सिलसिले को रोक दिया है। कैंप नोउ में खेले गए मुकाबले में बार्सिलोना ने एस्टन विला पर 3-0 से शानदार जीत दर्ज की।

बार्सिलोना ने जोआओ गोम्स की डिफेंसिव चूक का फायदा उठाकर सातवें मिनट में ही बढ़त बना ली। बॉक्स के अंदर मिडफील्डर की गलत जगह पर गिरी गेंद यामल के पास आई। यामल मौका नहीं चूके और टीम के लिए पहला गोल कर दिया।

यामल का यह 14वां चैंपियंस लीग गोल था। इस गोल के साथ वह कॉम्पिटिशन में एम्बाप्पे को पीछे छोड़ते हुए सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

उनाई एमरी की टीम शुरुआती झटके से घबराई नहीं और इंटरवल से पहले बराबरी करने के कई मौके बनाए। मैटी कैश और विक्टर लिंडेलोफ दोनों ने बार्सिलोना के डिफेंस को परखा, जबकि जोहान मंजांबी और गोम्स भी गोल करने के करीब पहुंच गए। हालांकि, गोलकीपर जोआन गार्सिया और होम डिफेंस ने विला को दूर रखा।

बार्सिलोना ब्रेक के बाद ज्यादा आक्रामक दिखी और 52वें मिनट में अपनी बढ़त बढ़ा ली। राफिन्हा ने पेनल्टी एरिया के बाहर से एक लो शॉट मारा, जो पाउ टोरेस से डिफ्लेक्ट होकर सुजुकी के गलत पैर से लग गया और नेट में चला गया।

64वें मिनट में, जोआओ कैंसेलो ने लेफ्ट फ्लैंक से एक शानदार डिलीवरी की, जिससे राफिन्हा को पोजीशन में आने और शाम के अपने दूसरे गोल के लिए करीब से गोल करने का मौका मिला। इन दो गोलों से राफिन्हा के सीजन के गोलों की संख्या सिर्फ 13 मैचों में 19 हो गई।

विला ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन बार्सिलोना की रक्षापंक्ति को भेदने में उसे सफलता नहीं मिली। इस नतीजे से यूरोप में विला का जीत का सिलसिला खत्म हो गया और बार्सिलोना लीग-फेज स्टैंडिंग में नौ पॉइंट्स के साथ इंग्लिश टीम के बराबर आ गई, जिससे स्पेनिश क्लब गोल के लिहाज से आगे हो गया।

आईआरडीएआई ने कारों और दोपहिया वाहनों के लिए चार-स्तरीय मोटर इंश्योरेंस ढांचे को किया अनिवार्य



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने निजी कारों और दोपहिया वाहनों के लिए मोटर बीमा पॉलिसियों में चार-स्तरीय संरचना को अनिवार्य है। इससे ग्राहकों को अपनी जरूरतों के हिसाब से खास कवर चुनने की सुविधा मिलेगी। यह व्यवस्था 15 दिसंबर 2026 से लागू होगी।

बीमा नियामक ने कहा कि इस संशोधित ढांचे का उद्देश्य मोटर बीमा पॉलिसियों के अलग-अलग हिस्सों को स्पष्ट रूप से अलग करके ग्राहकों के लिए विकल्पों और पारदर्शिता को बेहतर बनाना है।

नए ढांचे के तहत, मोटर पॉलिसियों को चार हिस्सों में बांटा जाएगा, जिसमें थर्ड-पार्टी लायबिलिटी (तीसरे पक्ष की देनदारी), वाहन में सवार लोगों या पीछे बैठने वालों के लिए कानूनी देनदारी, पर्सनल एक्सीडेंट कवर (व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा), और बीमित वाहन के लिए 'ओन-डैमेज' (खुद के वाहन को होने वाले नुकसान) का कवर शामिल हैं।

इसके अलावा, थर्ड-पार्टी लायबिलिटी बीमा अनिवार्य बना रहेगा, जबकि अन्य कवर वैकल्पिक होंगे। हालांकि, वाहन मालिकों के लिए अनिवार्य पर्सनल एक्सीडेंट बीमा से जुड़े मौजूदा नियम लागू रहेंगे।

साथ ही, नियामक ने सभी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे निजी कारों और दोपहिया वाहनों के लिए एक जैसी (मानकीकृत) पॉलिसी भाषा का इस्तेमाल करें। इसके अलावा, एक समान 'कस्टमर ऑप्शन फॉर्म' पेश करें, जिसके जरिए पॉलिसीधारक अपनी पसंद के कवर चुन सकें।

बीमा कंपनियों को पॉलिसी खरीदते समय एक ग्राहक सूचना पत्र भी देना होगा। इसमें हर हिस्से के तहत मिलने वाले कवरेज और उसके लिए लिए जाने वाले प्रीमियम की पूरी जानकारी होगी, जिससे ग्राहक अपनी पॉलिसी को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे।

नियामक ने यह भी कहा कि पॉलिसीधारक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से 'ऑप्शन फॉर्म' भरकर अपनी पसंद के कवर चुन सकेंगे।

मौजूदा ग्राहक भी पॉलिसी की अवधि के दौरान अतिरिक्त प्रीमियम देकर, वाहन में सवार लोगों या पीछे बैठने वालों के लिए 'लीगल लायबिलिटी कवर' जुड़वा सकते हैं।

हालांकि पॉलिसी का ढांचा और भाषा एक जैसी होगी, लेकिन बीमा कंपनियों के पास नए बीमा उत्पाद तैयार करने और बाजार की स्थितियों के आधार पर 'ओन-डैमेज' कवर की कीमत तय करने की छूट बनी रहेगी।

रोज 5 मिनट करें अर्ध उष्ट्रासन, गर्दन-कमर दर्द और कब्ज से मिलेगा छुटकारा



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम घंटों लैपटॉप और मोबाइल पर काम करते हैं, जिससे हमारे शारीरिक स्वास्थ्य पर काफी दुष्प्रभाव पड़ता है। ऐसे में योग ही एक ऐसा उपाय है जो शरीर को स्ट्रेच करने के साथ-साथ मन को भी शांत करता है। कई योगासनों में एक बेहद असरदार और आसान आसन है- अर्ध उष्ट्रासन।

उष्ट्र' का अर्थ होता है 'ऊंट' और अर्ध का अर्थ होता है 'आधा'। इस आसन को करते समय शरीर की आकृति आधे झुके हुए ऊंट के समान बनती है, इसलिए इसे अर्ध उष्ट्रासन कहा जाता है। देखने में सरल इस आसन को करने से बहुत लाभ मिलते हैं।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इस आसन को करने के फायदे बताए हैं। उनके अनुसार, यह आसन ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है, जिससे शरीर के सभी अंगों को पर्याप्त खून और ऑक्सीजन मिलती है और शरीर तरोताजा और ऊर्जावान महसूस करता है।

यह न सिर्फ रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, बल्कि सीने को खोलकर सांस लेने की क्षमता को भी बेहतर बनाता है।

इसके अलावा, अर्ध उष्ट्रासन कब्ज और कमर दर्द से राहत देने में भी मददगार है। जब हम इस आसन का नियमित अभ्यास करते हैं, तो पेट की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं और पाचन तंत्र मजबूत होता है। इससे कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती हैं और पेट हल्का महसूस होता है। इस योगासन से मानसिक तनाव भी कम होता है। जब शरीर ठीक रहता है तो हमारा मन भी खुश और शांत रहता है।

अर्ध उष्ट्रासन के नियमित अभ्यास से पीठ और गर्दन की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इस आसन को करने के दौरान रीढ़ की हड्डी पीछे की तरफ स्ट्रेच होती है।

इससे रीढ़ के आसपास की छोटी-बड़ी सभी मांसपेशियों में खिंचाव आता है और उनमें ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। रोजाना अभ्यास से ये मांसपेशियां लचीली और मजबूत बनती हैं, जिससे कमर दर्द और जकड़न से राहत मिलती है और पोस्चर में सुधार होता है।

आयुष मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अगर आपको कमर या घुटनों में कोई तकलीफ है तो बिना डॉक्टर से सलाह लिए इस आसन को न करें।

हर व्यक्ति के लिए अलग होती है योग थेरेपी, अपनाने से पहले जानें इसकी भूमिका और सीमाएं

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने योग थेरेपी के सही उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश जारी किया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि योग थेरेपी एक व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण है, जिसमें अभ्यासों का चयन व्यक्ति की जरूरतों और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार किया जाना चाहिए।



मंत्रालय के अनुसार, योग थेरेपी में एक ही तरीका सभी के लिए उपयुक्त नहीं होता। प्रत्येक व्यक्ति की शारीरिक संरचना, लचीलापन और आंतरिक स्वास्थ्य भिन्न होता है। इसी अनुसार, हर व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताएं अलग-अलग होती हैं, इसलिए योग्य योग चिकित्सक की निगरानी में ही अभ्यास चुनना चाहिए। नियमित अभ्यास, जीवनशैली में उचित बदलाव और निरंतर निगरानी इसके प्रभावी होने के लिए जरूरी हैं।

आयुष मंत्रालय ने योग थेरेपी की सीमाओं पर भी जोर दिया है। उच्च रक्तचाप, स्लिप डिस्क, हर्निया, हृदय रोग या हालिया सर्जरी वाले रोगियों के लिए सामान्य योग आसन भी जोखिम भरे हो सकते हैं। साथ ही, यह तत्काल राहत देने वाला उपचार नहीं है और चिकित्सा आपात स्थितियों के लिए उपयुक्त नहीं माना जा सकता।

एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि योग थेरेपी को चिकित्सा निदान या डॉक्टर द्वारा निर्धारित इलाज का विकल्प नहीं समझना चाहिए। योग थेरेपी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ पूरक रूप में काम कर सकती है और इसका वास्तविक प्रभाव तभी सामने आता है जब अभ्यासकर्ता की विशिष्ट स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखकर उसके लिए अनुकूलित क्रियाएं निर्धारित की जाएं।

मंत्रालय ने 'जागरुकता के साथ योगाभ्यास' अभियान के तहत लोगों से जिम्मेदारी भरे तरीके से योग करने की अपील की है। योग के सही दायरे को समझना ही जिम्मेदार योग अभ्यास का हिस्सा है। डिजिटल युग में इंटरनेट और सोशल मीडिया वीडियो देखकर कठिन अभ्यास करने की प्रवृत्ति बढ़ी है, जो अक्सर चोटों का कारण बनती है।

क्या आप भी टीवी देखते हुए खाते हैं खाना? आयुर्वेद में बताया गया है खतरनाक

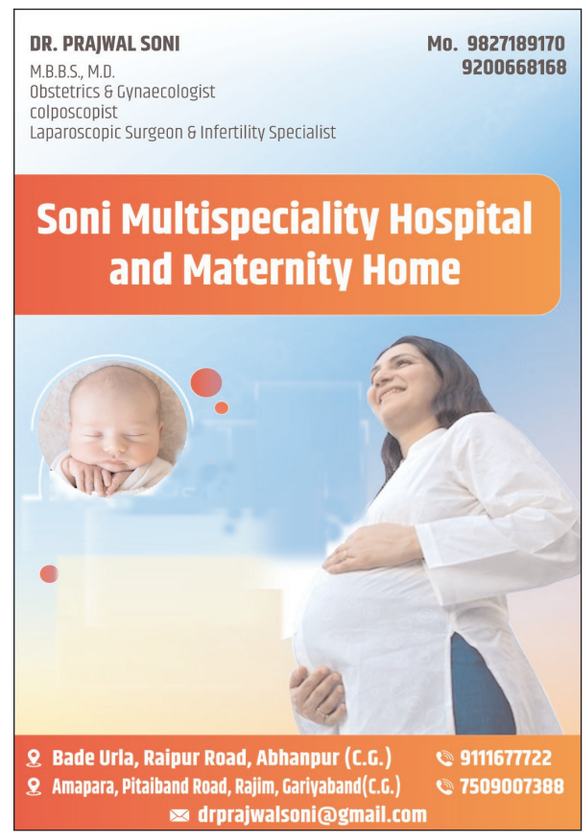
विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल हम सबकी लाइफ इतनी बिजी हो गई है कि खाने का भी टाइम नहीं मिलता। कई लोग ऑफिस का काम करते-करते लंच कर लेते हैं, तो कई लोग टीवी या मोबाइल देखते हुए डिनर निपटा देते हैं। हमें लगता है कि चलो पेट तो भर ही रहा है, लेकिन आयुर्वेद कहता है कि आप क्या खा रहे हैं, उससे ज्यादा जरूरी है कि आप कैसे खा रहे हैं।

आयुर्वेद कहता है कि खाना हमेशा शांत, साफ जगह पर और आराम से बैठकर खाना चाहिए। टीवी देखते हुए, जोर-जोर से हंसते हुए या बातें करते हुए खाना खाने से हमारा ध्यान खाने पर नहीं रहता। इससे खाना ठीक से पचता नहीं है। जब खाने बैठें, तो टीवी बंद कर दें और सिर्फ खाने का मजा लें। खाने को न तो बहुत जल्दी-जल्दी निगलें और न ही बहुत धीरे-धीरे। हर कौर को अच्छे से चबा-चबाकर खाएं। बहुत से लोगों को तेज गर्म खाना खाने की आदत होती है, तो कुछ लोग फ्रिज से निकालकर ठंडा खाना ही खा लेते हैं।

























अंतागढ़ में शासकीय भूमि पर दोबारा अतिक्रमण का मामला, जिम्मेदार विभाग की चुप्पी पर उठे सवाल

तहसील भवन के समीप नयापारा में सरकारी जमीन पर कब्जे की कोशिश, कार्रवाई के लिए शिकायत आवेदन का इंतजार क्यों?

विश्व केसरी■



अंतागढ़ (डम्पी खान)। नगर के नयापारा स्थित तहसील भवन के समीप शासकीय भूमि पर कथित रूप से दोबारा अतिक्रमण किए जाने का मामला सामने आया है। इस मामले ने शासकीय भूमि की सुरक्षा और अतिक्रमण रोकने के लिए जिम्मेदार विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि जिस भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है, वह अधिकारी भवन के निर्माण के लिए आरक्षित है। ऐसे में इस भूमि पर दोबारा कब्जे की कोशिश होना प्रशासनिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

पहले भी हटाया गया था अतिक्रमण, फिर दोबारा कब्जे की कोशिश क्यों?

मिली जानकारी के अनुसार, संबंधित व्यक्ति द्वारा पूर्व में भी इसी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया था। उस समय प्रशासनिक कार्रवाई के बाद अतिक्रमण हटाया गया था। इसके बावजूद अब उसी भूमि पर दोबारा अतिक्रमण किए जाने की बात सामने आ रही है। इससे सवाल उठता है कि पूर्व में कार्रवाई होने के बाद भी ऐसी स्थिति दोबारा कैसे निर्मित हो गई? क्या अतिक्रमण हटाने के बाद संबंधित भूमि की निगरानी नहीं की गई, या फिर जिम्मेदार अधिकारियों ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया?

यदि पहले की कार्रवाई के बावजूद दोबारा अतिक्रमण किया जा रहा है, तो यह केवल भूमि पर कब्जे का मामला नहीं, बल्कि सरकारी संपत्ति की सुरक्षा और प्रशासनिक कार्रवाई की प्रभावशीलता से भी जुड़ा विषय है।

आंखों के सामने अतिक्रमण, फिर भी विभाग की कार्रवाई का इंतजार क्यों?

शासकीय भूमि पर अतिक्रमण रोकने और सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित राजस्व एवं प्रशासनिक अधिकारियों की होती है। ऐसे में सवाल उठता है कि तहसील भवन के समीप स्थित भूमि पर कथित अतिक्रमण की स्थिति बनने के बावजूद संबंधित विभाग की ओर से तत्काल पहल क्यों नहीं दिखाई दे रही है?

क्या सरकारी जमीन पर अतिक्रमण रोकने के लिए भी अब किसी व्यक्ति द्वारा लिखित शिकायत प्रस्तुत करना अनिवार्य हो गया है? यदि अतिक्रमण खुले तौर पर हो रहा है, तो संबंधित अधिकारियों को स्वत: संज्ञान लेकर स्थल निरीक्षण और नियमानुसार कार्रवाई की पहल नहीं करनी चाहिए?

हालांकि, मामले में विभाग को औपचारिक शिकायत प्राप्त हुई है या नहीं तथा अधिकारियों ने इस संबंध में क्या कदम उठाए हैं, इसकी आधिकारिक पुष्टि होना आवश्यक है। फिर भी यह सवाल महत्वपूर्ण है कि सरकारी भूमि की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार तंत्र समय रहते सक्रिय क्यों नहीं दिखाई दे रहा है।

अतिक्रमणकारी को राजनीतिक संरक्षण मिलने की चर्चा, निष्पक्ष जांच की मांग

इस मामले में एक और अहम सवाल उठ रहा है कि क्या संबंधित व्यक्ति को किसी प्रकार का राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है? यदि पूर्व में अतिक्रमण हटाए जाने के बाद भी उसी भूमि पर दोबारा कब्जे की कोशिश की जा रही है, तो प्रशासन को इसकी निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। हालांकि, किसी राजनीतिक व्यक्ति या संगठन की भूमिका की पुष्टि बिना ठोस तथ्यों के नहीं की जा सकती, लेकिन ऐसी आशंकाओं को दूर करने के लिए प्रशासन की पारदर्शी कार्रवाई जरूरी है।

यदि किसी प्रकार के प्रभाव या दबाव के कारण कार्रवाई प्रभावित हो रही है, तो यह प्रशासनिक निष्पक्षता के लिए गंभीर विषय होगा। इसलिए संबंधित अधिकारियों को तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, ताकि आम जनता के बीच किसी प्रकार का भ्रम न रहे।

अधिकारी भवन के लिए आरक्षित भूमि पर अतिक्रमण, विकास कार्य पर पड़ सकता है असर

बताया जा रहा है कि नयापारा स्थित उक्त शासकीय भूमि अधिकारी भवन के लिए आरक्षित है। यदि यह भूमि वास्तव में किसी शासकीय भवन के निर्माण के लिए निर्धारित है, तो इस पर अतिक्रमण भविष्य में प्रस्तावित निर्माण कार्य और सार्वजनिक हित से जुड़े उद्देश्यों को प्रभावित कर सकता है। सरकारी जमीन का उपयोग निजी कब्जे के लिए होने से रोकना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

ऐसे में भूमि के अभिलेखों, आरक्षण की स्थिति और वर्तमान मौके की वास्तविक स्थिति की जांच कर प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि उक्त जमीन पर किस प्रकार का निर्माण या कब्जा किया जा रहा है और क्या वह नियमानुसार है।

अब प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी निगाहें

नयापारा स्थित तहसील भवन के समीप शासकीय भूमि पर कथित दोबारा अतिक्रमण का यह मामला प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा है। यदि भूमि पर अवैध कब्जे की पुष्टि होती है, तो संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करते हुए सरकारी संपत्ति को सुरक्षित करना चाहिए। साथ ही, पूर्व में अतिक्रमण हटाए जाने के बाद दोबारा ऐसी स्थिति बनने के कारणों की भी जांच की जानी चाहिए। अब देखना यह होगा कि संबंधित राजस्व विभाग और स्थानीय प्रशासन इस मामले में स्वत: संज्ञान लेकर जांच एवं कार्रवाई करते हैं या फिर किसी औपचारिक शिकायत आवेदन के बाद ही कदम उठाया जाएगा।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब मामला तहसील भवन के समीप स्थित शासकीय भूमि का है, तो सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार विभाग समय रहते सक्रिय क्यों नहीं हो रहा है? आखिर इस भूमि पर दोबारा अतिक्रमण की नौबत क्यों आई और प्रशासन इसकी रोकथाम के लिए क्या कदम उठाएगा?

सरकारी भूमि किसी व्यक्ति विशेष की संपत्ति नहीं, बल्कि सार्वजनिक हित की धरोहर है। इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है, ताकि आरक्षित भूमि का उपयोग निर्धारित शासकीय उद्देश्य के लिए किया जा सके और कानून का पालन निष्पक्ष रूप से हो।

इस संबंध में तहसीलदार बीरेन्द्र कुमार नेताम ने कहा कि यह जानकारी उन्हें आपके माध्यम से प्राप्त हुई है। उन्होंने मामले की जांच करवाने की बात कही है।

निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर पीड़ित परिवार के साथ पुलिस अधीक्षक से मिले जिला कांग्रेस पदाधिकारी



विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी ने दंतेश्वरी वार्ड निवासी दीपा सागर मामले में निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की मांग को लेकर पीड़ित परिवार के साथ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं को रखते हुए पीड़ित परिवार की शंकाओं एवं आशंकाओं का निराकरण करने और उनकी संतुष्टि के अनुरूप जांच सुनिश्चित करने की मांग की।

इस अवसर पर बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर के अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि दीपा सागर मामले में पीड़ित परिवार जिन परिस्थितियों और तथ्यों को लेकर सवाल उठा रहा है, उन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। परिवार की शंकाओं को नजरअंदाज करने के बजाय प्रत्येक पहलू की बारीकी से जांच होनी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की आशंका या संदेह की गुंजाइश न रहे। पुलिस प्रशासन से हमारी मांग है कि परिवार द्वारा उठाए गए सवालों और प्रस्तुत तथ्यों को जांच में शामिल किया जाए तथा मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कर वास्तविक सच्चाई सामने लाई जाए।सुशील मौर्य ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है हमारी मांग मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की है।

इस दौरान पूर्व विधायक रेखचंद जैन, पूर्व महापौर जतिन जायसवाल, पूर्व सभापति कविता साहू, उपनेता प्रतिपक्ष कोमल सेना, गौरनाथ नाग, हेमू उपाध्याय, महामंत्री अभिषेक नायडू,जाहिद हुसैन, सुनीता सिंह सहित पीड़ित परिवारजन मौजूद रहे।

दुर्गूकोंदल में बस्तर ओलंपिक का उत्साह चरम पर, जूनियर वर्ग की प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने जीते पदक

विश्व केसरी■



कांकेर (सीताराम शर्मा)। ग्रामीण अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं को खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2026 के द्वितीय दिवस भी उन्मुक्त खेल मैदान दुर्गूकोंदल में खेल उत्साह चरम पर रहा। जिला कलेक्टर कुंदन कुमार एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी के मार्गदर्शन में आयोजित इस खेल महाकुंभ में जूनियर वर्ग की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के रोमांचक मुकाबले हुए। खिलाड़ियों ने अपनी शारीरिक क्षमता, खेल कौशल और अनुशासन का परिचय देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

पहले दिन जूनियर वर्ग की प्रतियोगिताओं के शुभारंभ के बाद दूसरे दिन भी मैदान में खिलाड़ियों और दर्शकों की चहल-पहल बनी रही। ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे प्रतिभागियों ने विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए दर्शकों की बड़ी संख्या उपस्थित रही। मैदान में खेल भावना, आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल देखने को मिला।

एथलेटिक्स में खिलाड़ियों ने दिखाई गति और क्षमता

द्वितीय दिवस आयोजित व्यक्तिगत एथलेटिक्स के मुकाबले विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। 100 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में नंदलाल पुड़ो ने प्रथम तथा दीनू पिस्दा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में हितिका ने प्रथम और राधा जैन ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

200 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में नंदलाल पुड़ो ने प्रथम तथा वेदप्रकाश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में ममता उसेंडी प्रथम और रोशनी गावड़े द्वितीय रहीं। 400 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में जगदेर पुड़ो ने प्रथम तथा भूपेश लाटिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में पुनीता नरेटी प्रथम और राधा जैन द्वितीय स्थान पर रहीं।

गोला फेंक प्रतियोगिता के बालक वर्ग में दीपक कुमार जैन ने प्रथम तथा प्रवीण नेताम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में मंजुलता प्रथम और रोशनी द्वितीय रहीं। चक्र फेंक के बालक वर्ग में चंद्रेश नागवंशी ने प्रथम तथा जगदेर पुड़ो ने द्वितीय स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग में सुनीला कोमरे प्रथम और देवंतीन दुग्गा द्वितीय रहीं।

भाला फेंक के बालक वर्ग में दीपक जैन ने प्रथम तथा नीरज कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में योगिता प्रथम और मनोती आंचला द्वितीय रहीं। ऊंचीकूद एवं लंबीकूद सहित अन्य एथलेटिक्स स्पर्धाओं में भी खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित हुईं दुर्गूकोंदल की सहायक शिक्षिका सुरेखा गोटा

दुर्गूकोंदल। विकासखंड दुर्गूकोंदल के प्राथमिक शाला कर्रीमाड में पदस्थ सहायक शिक्षिका सुरेखा गोटा को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया गया। शिक्षक प्रतिभा अकादमी छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित सदस्यता शपथ ग्रहण सह सम्मान समारोह-2026 में उन्हें उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान प्रदान किया गया। यह समारोह 31 अक्टूबर 2026 को पंडित देवकीनंदन दीक्षित सभा भवन, बिलासपुर में आयोजित हुआ। समारोह में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए शिक्षकों को उनके शैक्षणिक योगदान एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। सुरेखा गोटा को यह सम्मान शिक्षण में नवाचार, गतिविधि आधारित शिक्षण तथा उपचारात्मक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आनंददायक शिक्षा प्रदान करने के प्रयासों के लिए मिला। उनके प्रयास बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने और शैक्षणिक उपलब्धियों में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

चार सूत्रीय मांगों को लेकर पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर



विश्व केसरी■

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। छत्तीसगढ़ राजस्व पटवारी संघ के आह्वान पर भोपालपट्टनम तहसील के पटवारी अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। पटवारियों ने तहसील कार्यालय के सामने धरना देकर अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन शुरू कर दिया है। हड़ताल के चलते क्षेत्र में राजस्व विभाग के कामकाज पर असर पड़ने लगा है, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

पटवारियों की प्रमुख मांगों में पीवी ऐप में कराए जा रहे कार्यों का बहिष्कार, दमनकारी निलंबन एवं स्थानांतरण की कार्रवाई को बिना शर्त वापस लेना, वेतन विसंगति दूर करना तथा राजस्व निरीक्षक (आरआई) के पद पर विभागीय पदोन्नति करना शामिल है। पटवारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया है। लगातार अनदेखी से नाराज होकर उन्हें अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लेना पड़ा है। आंदोलनरत पटवारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी चारों मांगों पर सकारात्मक पहल कर उनका निराकरण नहीं किया जाता, तब तक उनका धरना और हड़ताल जारी रहेगी।

इधर, पटवारियों के हड़ताल पर चले जाने से नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित अन्य राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में तहसील क्षेत्र के किसानों और आम नागरिकों को अपने जरूरी राजस्व कार्यों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

अंतागढ़ से रेलवे स्टेशन मार्ग पर रोजाना लग रहा जाम

बदहाल सड़क और भारी वाहनों से आमजन परेशान

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। अंतागढ़ से रेलवे स्टेशन तक जाने वाला मार्ग इन दिनों लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। इस मार्ग पर रोजाना लगने वाले लंबे जाम और सड़क की बदहाल स्थिति के कारण आम नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर लौह अयस्क से भरे भारी ट्रकों की आवाजाही और सड़क पर घंटों तक खड़े रहने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है।

जानकारी के अनुसार, अंतागढ़ से रेलवे स्टेशन स्थित डंप यार्ड तक माइंस में चलने वाले भारी वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। इस दौरान लौह अयस्क से लदे ट्रक सड़क पर कतारबद्ध होकर खड़े हो जाते हैं, जिससे करीब 2 किलोमीटर तक लंबा जाम लग जाता है। स्थिति यह है कि राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों, चारपहिया वाहनों और अन्य यात्रियों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ता है।

गड्ढों में तब्दील सड़क ने बढ़ाई मुश्किलें

एक ओर जहां भारी वाहनों के कारण जाम की समस्या बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर अंतागढ़ से रेलवे स्टेशन तक जाने वाली सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिसके कारण वाहन चालकों को आवागमन में काफी परेशानी होती है। गड्ढों और भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के बीच इस मार्ग से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है।



कई गांवों के ग्रामीण हो रहे प्रभावित

इस मार्ग से आसपास के कई गांवों के ग्रामीण रोजाना आवागमन करते हैं। जाम के कारण ग्रामीणों, स्कूली बच्चों, मरीजों, कर्मचारियों और व्यापारियों को अनावश्यक रूप से घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई बार जरूरी काम से जाने वाले लोगों को भी समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। आपातकालीन परिस्थितियों में एंबुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं के वाहनों के फंसने की आशंका भी बनी रहती है।

प्रशासन से व्यवस्था सुधारने की मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। जर्जर सड़क, भारी वाहनों की अनियंत्रित कतार और रोजाना लगने वाला लंबा जाम किसी गंभीर हादसे को आमंत्रण दे रहा है। लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभागों से मांग की है कि अंतागढ़ से रेलवे स्टेशन डंप यार्ड तक सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए। साथ ही भारी वाहनों के आवागमन के लिए उचित व्यवस्था बनाई जाए, ट्रकों को सड़क पर घंटों खड़ा होने से रोका जाए तथा यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इस गंभीर समस्या को कब तक संज्ञान में लेता है और क्षेत्रवासियों को रोजाना की इस जाम की समस्या से कब राहत मिलती है। समय रहते ठोस पहल करना बेहद जरूरी है, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले इस मार्ग को सुरक्षित और सुगम बनाया जा सके।

मुर्गा लड़ाई की आड़ में चल रहा था लाखों का जुआ

विश्व केसरी■



बीजापुर (नवीन दुर्गम)। जिले के थाना भद्राकाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रैगुड़ा के जंगल में मुर्गा बाजार की आड़ में बड़े पैमाने पर जुआ संचालित किए जाने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर बीजापुर पुलिस ने घेराबंदी कर बड़ी कार्रवाई करते हुए 156 लोगों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की है।

पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान मुर्गा लड़ाई पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेलते पाए गए लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पुलिस ने मौके से कुल 20 लाख 1 हजार 200 रुपये नकद, 47 चारपहिया वाहन और 12 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पकड़े गए 156 व्यक्तियों के विरुद्ध थाना भद्राकाली में अपराध क्रमांक 06/2026 दर्ज कर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3(2) तथा सार्वजनिक द्यूत अधिनियम की धारा 4 एवं 13 के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251